राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 12 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-191 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकतंत्र में सवाल उठाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी जवाब सुनना भी है

-अमित शाह के सदन में जवाब देने को लेकर सीएम योगी का राहुल गांधी पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में छात्रों से जुड़े मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव अब सीधे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में बदलता नजर आ रहा है। गृह मंत्री अमित शाह के सदन में जवाब देने की तैयारी के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। योगी का कहना है कि लोकतंत्र में सवाल उठाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी जवाब सुनना भी है। इसी तर्क के सहारे उन्होंने विपक्ष से हंगामा छोड़कर बहस में शामिल होने की अपील की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संसद के मानसून सत्र में छात्रों से जुड़े मुद्दे ने एक बार फिर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव को तेज कर दिया है। सदन में लगातार हंगामे के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान देने की तैयारी का दावा सामने आया है। इसी घटनाक्रम को लेकर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि सवाल उठाने के बाद जवाब सुनने का साहस भी होना चाहिए।

सीएम योगी ने एक्स पर विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाया। उनका तर्क था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन सरकार का पक्ष सुनना भी संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष से सदन की मर्यादा बनाए रखने और तथ्यों के साथ चर्चा करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि बहस से लोकतंत्र मजबूत होता है और राजनीतिक प्रतिष्ठा भी बढ़ती है। अगर गृह मंत्री शाह किसी मुद्दे पर सदन में विस्तार से अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हैं तो विपक्ष को चर्चा का अवसर गंवाने के बजाय उसमें भाग लेना चाहिए।

बीजेपी नेताओं का कहना है कि विपक्ष लगातार जवाब मांग रहा है, जबकि सरकार की ओर से जवाब देने की तैयारी जताई जा चुकी है। ऐसे में बहस को आगे बढ़ाने के बजाय सदन में व्यवधान पैदा करना सवाल खड़े करता है। दूसरी तरफ राहुल गांधी ने मामले को केवल सदन में बयान तक सीमित रखने के बजाय कई सवालों के साथ सरकार को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने जंतर-मंतर पर छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग को लेकर जवाबदेही तय करने की मांग उठाई है। राहुल गांधी की ओर से पीएम मोदी से माफी की मांग भी रखी गई है। इसके साथ ही राम मंदिर चंदा चोरी और अनियमितता के आरोपों पर संसद में चर्चा कराने की मांग को भी उन्होंने सामने रखा है। इससे साफ है कि विपक्ष इस मुद्दे को व्यापक राजनीतिक और जवाबदेही के सवाल से जोड़कर देख रहा है। वहीं बीजेपी इसे सरकार को घेरने के लिए विपक्ष की राजनीतिक रणनीति बता रही है।

मांगे नहीं मानी तो 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन, एसकेएम ने दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है तो 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। यह चेतावनी केंद्र सरकार की किसान-विरोधी और मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय मजदूर संघों के साथ मिलकर देशभर में आयोजित जेल भरो आंदोलन के दौरान दी गई। एसकेएम ने दावा किया कि इस आंदोलन में किसानों, कृषि और औद्योगिक मजदूरों, आंगनवाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं, छात्रों, युवाओं और महिलाओं की व्यापक भागीदारी देखी गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने बेरिकेड तोड़े, सुरक्षाकर्मियों का सामना किया और गिरफ्तार होने से पहले सरकारी कार्यालयों के बाहर धरना दिया। माकपा के महासचिव एम ए बेबी ने इस आंदोलन को ऐतिहासिक सफलता बताते हुए कहा कि इस संयुक्त कार्रवाई ने मोदी सरकार की मजदूर-विरोधी और किसान-विरोधी नीतियों के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है। यह विरोध प्रदर्शन भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था।

मदरसे के छात्र से कुकर्म का आरोप, इमाम के खिलाफ शिकायत

अमरोहा (एजेंसी)। मुरादाबाद के डिडौली क्षेत्र स्थित एक मदरसे में पढ़ने वाले 13 वर्षीय छात्र ने पास के गांव के एक इमाम पर बहला-फुसलाकर मस्जिद में ले जाकर कुकर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। छात्र के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पाकबड़ा क्षेत्र का रहने वाला यह 13 वर्षीय छात्र पिछले एक साल से डिडौली क्षेत्र के एक मदरसे में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है। छात्र का आरोप है कि बुधवार दोपहर करीब 30 वर्षीय इमाम, जो पास की मस्जिद में इमामत करता है और मदरसे में भी पढ़ता है, उसे बहला-फुसलाकर मस्जिद में ले गया। आरोप है कि वहां इमाम ने छात्र के साथ कुकर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद छात्र डरा-सहमा मदरसे लौट आया। छुट्टी होने पर वह अपने घर पहुंचा और उसने अपने परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद परिजन पहले पाकबड़ा थाने पहुंचे, जहां उन्हें डिडौली थाना क्षेत्र का मामला बताकर वापस भेज दिया गया। फिर परिजन छात्र को लेकर डिडौली कोतवाली पहुंचे और आरोपित इमाम के विरुद्ध तहरीर दी। डिडौली के थाना प्रभारी ने बताया कि छात्र और उसके परिजनों से जानकारी लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में रेल-मेट्रो यात्रियों को समय से पहले पहुंचने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद चाक-चौबंद कर दिया गया है। लाल किला समेत सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ ही रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर गहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस सख्त जांच के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए सामान्य से अधिक समय लेकर चलने की सलाह दी गई है। रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जहां यात्रियों व उनके सामान की गहन जांच हो रही है। उत्तर रेलवे ने सोशल मीडिया पर बताया है कि 13 से 16 अगस्त तक यह जांच और अधिक सख्त रहेगी। इस कारण प्लेटफॉर्म पर पहुँचने में अतिरिक्त समय लग सकता है। यात्रियों को सलाह है कि वे ट्रेन प्रस्थान से पर्याप्त समय पहले स्टेशन पहुँचें, ताकि जांच के बाद समय पर प्लेटफॉर्म पर पहुंच सकें। दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर भी सुरक्षा जांच कड़ी कर दी गई है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने भी यात्रियों से अधिक समय लेकर मेट्रो स्टेशन पहुंचने का आग्रह किया है। पूरे रेलवे व मेट्रो परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के साथ सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने सभी यात्रियों से सुरक्षा जांच में पूरा सहयोग करने की अपील की है।

संभल में जामा मस्जिद के पश्चिमी हिस्से से रात में कड़ी सुरक्षा में निकली कांवड़ यात्रा

संभल (एजेंसी)। संभल में सोमवार देर रात तक कांवड़ियों का जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकला। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों ने 24 नवंबर 2024 की हिंसा वाले घटनास्थल, जामा मस्जिद के पश्चिमी हिस्से से गुजरते हुए बम-बम भोले के जयघोष किए। संवेदनशील स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल की तैनाती में यात्रा को सुरक्षित पूरा करवाया गया। यात्रा के दौरान शहर के मुख्य चंदौसी चौराहे, कोतवाली के पास स्थित मुख्य बाजार और अन्य चौराहों पर भगवान शिव और मां गंगा की महाआरती की गई। बता दें सावन के दूसरे सोमवार को हरिद्वार से पदयात्रा कर 2000 से ज्यादा कांवड़िए संभल पहुंचे। भक्ति में लीन कांवड़ियों का जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच विवादित धार्मिक स्थल से गुजरा। कांवड़ियों ने कोतवाली घंटाघर पर आरती की और शिवतेरस पर श्रीपातालेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया।

पुणे में 4 साल की बच्ची पर कुत्तों का बर्बर हमला, सिर में लगे 80 टांके

पुणे(एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ में हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहाँ सात आवारा कुत्तों ने चार साल की एक मासूम बच्ची पर जानलेवा हमला किया। इस हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई और उसके सिर पर 80 से अधिक टाँके लगाने पड़े हैं।

यह घटना चिखली इलाके में हुई। बच्ची अपने घर से पास के पेड़ से पत्तियां तोड़ने के लिए निकली थी, तभी कुत्तों के झुंड ने बच्ची को घेर लिया और बर्बरता से हमला किया। बच्ची के पिता गिरधर मिश्रा ने बताया कि कुत्तों ने लगभग 43 सेकंड तक बच्ची को काटा, जिससे उसके हाथों और जांघों पर भी गंभीर चोटें आईं। बच्ची की चीख सुनकर लोग बचाने दौड़े और कुत्तों को भगाया, जिससे उसकी जान बच सकी। इस भयावह हमले का सीसीटीवी फुटेज मंगलवार को सामने आया। फुटेज में दिख रहा है कि कुत्तों का झुंड बच्ची को चारों तरफ से घेरकर कैसे उस पर टूट पड़ा, बच्ची को जमीन पर गिरा दिया और फिर कई कुत्तों ने एक साथ काटा। स्थानीय लोगों की बहादुरी से ही बच्ची सुरक्षित बच पाई। बच्ची के पिता ने इलाके में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या पर चिंता जताकर प्रशासन से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। यह महाराष्ट्र में आवारा कुत्तों के आतंक का एकमात्र मामला नहीं है। हाल ही में कल्याण में भी एक आवारा कुत्ते ने करीब सात घंटे में 130 लोगों को काटकर दहशत फैला दी। इस हमले में कुत्ते ने सड़क पर चल रहे लोगों, बाइक सवारों और ऑटो यात्रियों को निशाना बनाया। इस घटना में 25 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जबकि 11 साल की एक बच्ची को गंभीर हालत में मुंबई के सायन अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों ने नगर निगम पर समय पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है, और अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि हमलावर कुत्ते को पकड़ा गया है या नहीं।

राहुल गांधी की तस्वीर पर गिरिराज का सवाल, संसद गतिरोध पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर को लेकर सियासी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने तस्वीर साझा कर पूछा कि यह कहां की है, कब की है और इसमें राहुल के साथ मौजूद लोग कौन हैं। केंद्रीय मंत्री सिंह ने तस्वीर से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने की अपनी उत्सुकता जाहिर की है, जिसे राहुल गांधी से सीधा जवाब मांगने के तौर पर देखा जा रहा है।

एक ओर जहां राहुल गांधी की तस्वीर पर सवाल उठाए गए, वहीं दूसरी ओर गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने और 'चुनिंदा मुद्दों' पर विरोध करने को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी लोकसभा अध्यक्ष नहीं हैं और देश की जनता संसद में हो रहे घटनाक्रम को बारीकी से देख रही है।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी की आलोचना पर पलटवार कर कहा कि प्रधानमंत्री को अपने काम या विचारों के लिए किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी युवाओं के बीच जाकर उनसे सीधे संवाद करते हैं, जैसा कि हाल ही में आईआईटी दिल्ली में देखा गया, जबकि विपक्ष लगातार संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है। सिंह ने अंत में कहा कि देश की जनता यह भी तय करेगी कि कौन देश के हित में काम कर रहा है और कौन लोकतंत्र के मंदिर को बाधित करने में लगा है।

प्रियंका गांधी के सामने भाजपा सांसद ने लगाए 'राहुल गांधी शर्म करो' के नारे

झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर संसद परिसर में सत्ता पक्ष-विपक्ष आए आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर मंगलवार को संसद परिसर में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सियासी टकराव और तेज हो गया। एनडीए सांसदों के विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसद मुकेश दलाल और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा का आमना-सामना हो गया। इस दौरान दलाल ने 'राहुल गांधी शर्म करो, शर्म करो' के नारे लगाए।

भाजपा सांसद मुकेश दलाल के हाथ में 'झारखंड में छात्रों पर हुई निर्दयता पर राहुल गांधी जवाब दो' लिखा पोस्टर था। प्रियंका गांधी जब संसद की ओर जा रही थीं, तभी दोनों नेताओं के बीच यह घटनाक्रम हुआ। प्रियंका गांधी ने भाजपा सांसद के आरोपों पर कहा कि राहुल गांधी झारखंड के छात्रों से मिल चुके हैं। इसके बाद वह मुस्कुराते हुए आगे बढ़ गईं।

प्रियंका ने अमित शाह से बयान की मांग की

प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में एनडीए सांसदों के प्रदर्शन को लेकर केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहली बार सत्तापक्ष के सांसदों को प्रदर्शन करते देखा है। प्रियंका ने तंज कसते हुए कहा कि कम से कम विपक्ष ने उन्हें प्रदर्शन करने के लिए मजबूर तो किया है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में आकर छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर बयान देने की भी मांग की। प्रियंका का कहना था कि सरकार को इस मामले पर सदन में जवाब देना चाहिए।

भाजपा ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वह झारखंड कब गए। उन्होंने राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल के झारखंड नहीं जाने पर भी सवाल उठाया। दलाल के मुताबिक, प्रियंका गांधी ने उनसे कहा था कि राहुल गांधी इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं, जिस पर उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी झारखंड क्यों नहीं गए। भाजपा नेता अरुण सिंह ने भी राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झारखंड में कांग्रेस की सरकार है और वहां युवाओं की कथित तौर पर बेरहमी से पिटाई हुई है, ऐसे में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को वहां जाकर छात्रों से मिलना चाहिए।

कंगना रनौत बोलीं- चर्चा से अब विपक्ष भाग रहा

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने संसद में जारी गतिरोध को लेकर विपक्ष पर आरोप लगाया कि पहले विपक्ष चर्चा की मांग को लेकर हंगामा कर रहा था, लेकिन अब जब चर्चा की संभावना बनी है तो वह उससे बच रहा है। उन्होंने सवाल किया कि यदि विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सुनना ही नहीं चाहता तो सदन कैसे चलेगा।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को कोयला मामले में क्लीन चिट का सोनिया गांधी ने किया स्वागत

-कहा- उनकी ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड मोदी सरकार के कामकाज से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को हाल में कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिलने का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड मोदी सरकार के कामकाज के तरीके के बिल्कुल अलग है। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि इतिहास मनमोहन सिंह को ''एक मृदु, सौम्य लेकिन सबसे अहम प्रधानमंत्रियों में से एक'' के रूप में याद करेगा। उन्होंने एक लेख में कहा कि 29 जुलाई 2026 का दिन भारतीय राजनीतिक इतिहास में अहम लेकिन ''अनदेखा'' दिन था, जब सुप्रीम कोर्ट ने कथित कोयला घोटाला मामले में मनमोहन सिंह को सीबीआई की 'क्लोजर रिपोर्ट' के आधार पर दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोनिया गांधी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने अधीनस्थ अदालत द्वारा सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज करने और तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह के खिलाफ ''बिना किसी ठोस कारण'' प्रतिकूल टिप्पणियां करने को भी गलत ठहराया। सोनिया गांधी मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते समय सत्तारूढ़ संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की प्रमुख थीं। उन्होंने कहा कि यह हमारे सार्वजनिक विमर्श के सबसे दुखद अध्यायों में से एक डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान का अंत है। वह असाधारण शुचिता और ईमानदारी वाले व्यक्ति थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के खिलाफ अभियान ''सुनियोजित और समन्वित'' था और इसमें नौकरशाही, मीडिया, न्यायपालिका, नागरिक संगठन और ''निश्चित तौर पर आरएसएस और बीजेपी'' से जुड़े लोग शामिल थे। सोनिया ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह खुद इन दिनों देश के छात्रों को उन पर हमला करने के लिए ''माफ'' कर रहे हैं, इसलिए शायद वह मनमोहन सिंह को ''अमर्यादित तरीके से बदनाम करने'' के लिए खुद को भी माफ कर सकते हैं। सोनिया गांधी ने मोदी द्वारा राज्यसभा में 8 फरवरी, 2017 को मनमोहन सिंह पर की गई टिप्पणी का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि ''रेनकोट पहनकर नहाने की कला'' वाली पीएम मोदी की टिप्पणी ''हमारे संसदीय इतिहास के सबसे निम्न स्तरों में से एक'' के रूप में याद की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का ''घोर दुरुपयोग'' कर रही है और उनका इस्तेमाल राजनीतिक नेताओं पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान भी भारत ने अपनी मजबूती दिखाई। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के 10 सालों में भारत की आर्थिक वृद्धि पिछले 12 सालों की तुलना में ज्यादा रही और इससे लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकलने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार की उपलब्धियों में शिक्षा का अधिकार, केंद्रीय वित्त पोषित उच्च शिक्षण संस्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 प्रमुख हैं।

उन्होंने कहा कि हमें निश्चित रूप से इस बात का अफसोस है कि वह इस दिन को देखने और अपने ज्ञान से देश का मार्गदर्शन करने के लिए हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन यह हमारे लिए संतोष की बात है कि जनवरी, 2014 में की गई उनकी भविष्यवाणी हर गुजरते दिन के साथ सच साबित होती जा रही है। मनमोहन सिंह का 27 दिसंबर, 2024 को निधन हो गया था। कोयला ब्लॉक आवंटन से जुड़े इस चर्चित आपराधिक मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन्हें तलब करने का आदेश निरस्त किए जाने के बाद मामला उनके खिलाफ औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश के मकान पर एडीए 14 को करेगा सुनवाई

-आरोप है निर्माण कार्य में भवन निर्माण के नियमों का उल्लंघन किया गया

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या विकास प्राधिकरण राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा की पत्नी के निर्माणाधीन मकान से जुड़े मामले की सुनवाई 14 अगस्त को करेगा। प्राधिकरण के अधिकारी ने यह जानकारी दी। एडीए ने सोहावल के बनीपुर इलाके में बन रहे मकान को लेकर लवकुश मिश्रा की पत्नी सुप्रिया मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। आरोप था कि निर्माण कार्य में भवन निर्माण के नियमों का उल्लंघन किया गया है। प्राधिकरण ने स्वीकृत भवन योजना और अन्य संबंधित दस्तावेज मांगे थे। राम मंदिर के चढ़ावे चोरी की जांच के बीच यह संपत्ति जांच के दायरे में आई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांचकर्ताओं को शक है कि यह संपत्ति लवकुश मिश्रा की गिरफ्तारी से पहले गबन किए गए चंदे से खरीदी गई हो सकती है। एडीए सचिव ने सोमवार को बताया कि लवकुश मिश्रा के मकान के मामले की सुनवाई अब 14 अगस्त को होगी। प्राधिकरण ने सबसे पहले तीन जुलाई को नोटिस जारी किया था। कोई जवाब न मिलने पर 14 जुलाई को दो मंजिला इमारत पर अंतिम नोटिस चस्पा किया गया। इसमें सुप्रिया मिश्रा को जरूरी दस्तावेज पेश करने का मौका दिया गया और चेतावनी दी गई कि ऐसा न करने पर इमारत को सील किया जा सकता है।

अधिकारियों के मुताबिक मिश्रा ने पिछले साल 16 अक्टूबर को बनीपुर में अपनी पत्नी के नाम पर 1,000 वर्ग फुट का प्लॉट खरीदा था। वह राम मंदिर में नकद चंदे की गिनती करने वाले 'आउटसोर्स' कर्मचारी के तौर पर काम कर रहा था और उसे 15,000 रुपए मासिक वेतन मिलता था। लवकुश मिश्रा फिलहाल चंदा चोरी मामले में जेल में बंद है और स्थानीय अदालत ने सभी आरोपियों की रिमांड 14 दिन और बढ़ा दी। अयोध्या पुलिस ने पहले उनके ठिकानों से 14.25 लाख रुपए बरामद किए थे।

वह मंदिर के चंदा-गिनती प्रक्रिया से जुड़े उन आठ लोगों में शामिल था, जिन्हें एसआईटी की शुरूआती रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में सबसे ज़्यादा नकद 20.39 लाख रुपए सह-आरोपी अविनाश शुक्ला से बरामद हुए थे। जांचकर्ताओं ने विदेशी मुद्रा, सोना और चांदी के अलावा 'रामराज्य कोष' लिखा हुआ एक दान पात्र भी बरामद किया था। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामला 7 जून को सामने आया था और इस मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली में नशीले पदार्थों का कारोबार महिलाओं ने संभाला, करोड़ों की बनाई संपत्ति

-शिकंजा कसने एंटी-नारकोटिक्स टीमों में ज्यादा महिला पुलिसकर्मी होंगी शामिल

पुलिसकर्मियों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में नशीले पदार्थों के कारोबार में महिलाएं जहां पहले ज्यादातर सहायक या डिलीवरी की सीमित भूमिका में होती थीं, वहीं अब कई महिलाएं मुख्य सरगना के रूप में सक्रिय हैं। ड्रग्स स्मगलिंग से जुड़कर कई महिला अपराधियों ने छोटे स्तर से करोड़ों की संपत्ति तक जुटा ली है। ऐसे में एंटी-नारकोटिक्स टीमों में ज्यादा महिला पुलिसकर्मियों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट में जांच एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक कुसुम, पारो, उषा, कांता और तस्लीमा पुट्टी जैसी महिलाओं ने इस नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभाई है। जांच में पाया गया है कि इन्होंने अवैध धंधे में लिप्त होकर करोड़ों रुपए की संपत्ति जुटाई है। इनमें फ्लैट, मकान और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। कई मामलों में इन महिलाओं ने अपने पति, पिता, भाई या बेटों के एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार होने के बाद कारोबार संभाला। उन्होंने पहले से मौजूद सप्लाई और ग्राहक नेटवर्क की जानकारी हासिल कर काम आगे बढ़ाया। कुछ महिलाएं छोटी टीम बनाकर अलग-अलग जिम्मेदारियां बांटती थीं।

इस साल 22 जून को पारो (28), उषा (25) और कांता (35) को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक इन बहनों ने करीब दो करोड़ रुपए की संपत्ति जमा की थी, जिसमें कई फ्लैट शामिल हैं। बचपन नशे के माहौल में बीतने और दिहाड़ी मजदूरी से शुरू करके वे इस कारोबार में शामिल हुईं। वहीं, तस्लीमा पुट्टी के पास कथित तौर पर दो करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति बताई गई है, जबकि कुसुम ने चार करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जुटाई। कुसुम सुल्तानपुरी में बहुमंजिला इमारत से काम चलाती थी और उसके खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वह कमाई को परिवार के खातों में छोटे-छोटे लेनदेन के जरिए ट्रांसफर करती थी।

ड्रग्स स्मगलिंग से हुई कमाई अक्सर बैंक खातों में नहीं रखी जाती। इसके बजाय सोना या अनौपचारिक तरीके से रियल एस्टेट में निवेश किया जाता है। स्लम इलाकों में जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए संपत्ति खरीदने के उदाहरण भी सामने आए हैं। भलस्वा डेयरी से मजनूं का टीला तक फैले नेटवर्क में निगरानी और सूचना तंत्र का इस्तेमाल होने की बात सामने आई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस बदलते स्वरूप से निपटने के लिए एंटी-नारकोटिक्स टीमों में ज्यादा महिला

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था।

(लेखक - ललित गर्ग)

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त 2026) पर विशेष)

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं।

दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा।

युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है।

आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है।

यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है-जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में होना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है। इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, सरकारी कार्यालयों या योजनाओं की फाइलों में नहीं लिखा जाता, वह युवाओं की आँखों में पल रहे सपनों में लिखा जाता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकारा)

संपादकीय

परीक्षा की घड़ी

ऐसे वक्त में जब नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से उपजे छात्र आक्रोश से देश हाल ही में दो-चार हुआ है, देश के परीक्षा सिस्टम पर प्रतिभागियों का भरोसा कायम करना अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में केंद्रीय स्तर और राज्यों में विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं स्थगित होने और परीक्षा परिणामों को लेकर किंतु-परंतु होने की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बदस्तूर जारी है। ऐसे में विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का इंटेलिजेंस, कानून लागू करने वाली एजेंसियों तथा डिफेंस फोर्सेज के अनुभवी लोगों को अपने परीक्षा सुरक्षा कमांड सेंटर में शामिल करने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। ये प्रयास दूसरी ओर हमें यह भी बताते हैं कि देश में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं कितनी संवेदनशील व असुरक्षित हो गई हैं। नए प्रावधानों के अनुसार इसके टेस्ट सिक्योरिटी और लाइव ऑपरेशन्स अनुभाग के प्रस्तावित जनरल मैनेजर परीक्षा प्रक्रिया के लगभग हर संवेदनशील हिस्से की देखरेख करेंगे, जिसके अंतर्गत प्रश्नपत्र तैयार करने, एन्क्रिप्शन से लेकर ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज, वितरण और रियल-टाइम मॉनिटरिंग भी शामिल रहेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा के उपरांत डेटा एनालिसिस से परीक्षा व्यवस्था के पारदर्शी व विश्वसनीय होने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, नीट प्रवेश परीक्षा विवाद के उपरांत प्रतिभागियों में भरोसा कायम करने की दिशा में यह एक गंभीर कोशिश होती नजर आती है। लेकिन एक बात तो तय है कि सिर्फ तकनीक के जरिए सिस्टम की खामियां दूर नहीं की जा सकतीं। हालिया नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण में सीबीआई की जांच में एनटीए के अपने ही गोपनीय विभाग में खामियां पाई गई थीं, मसलन संतोषजनक ढंग से तलाशी न लेना, सीसीटीवी की अपर्याप्त निगरानी, जिम्मेदारियों का सही बंटवारा न होना तथा अंतिम प्रश्न सेट तक बहुत अधिक लोगों की पहुंच होना, जिसने परीक्षा प्रश्नपत्र के लीक संकट को जन्म दिया। दरअसल, सीबीआई जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि परीक्षा प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ एक-दूसरे के संपर्क में थे, जिससे परीक्षा की गोपनीयता की सुरक्षा का एक बुनियादी नियम भंग हो गया। वास्तव में, नियमानुसार किसी भी एक व्यक्ति की पहुंच पेपर के सभी फाइनल सेट तक नहीं होनी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस कथित गड़बड़ी के लिए किसी हाई-लेवल हैकिंग की जरूरत नहीं पड़ने दी गई। दरअसल, भ्रष्ट लोगों ने परीक्षा प्रक्रिया की मामूली खामियों का फायदा चालाकी से उठाया। निस्संदेह, यह बात किसी भी साइबर खतरे के मुकाबले नीति बनाने वालों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि दो सप्ताह पूर्व ही धर्मेंद्र प्रधान की जगह शिक्षा मंत्री बने प्रह्लाद जोशी के कंधों पर एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद परीक्षा सिस्टम बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें विषय की संवेदनशीलता को समझते हुए तुरंत विश्वास बहाली के लिए काम आरंभ करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न केवल छात्र, बल्कि उनके अभिभावक व सारा देश फिर से निराश न हो सके। इसी तरह, एनटीए का प्रस्तावित कमांड सेंटर सिर्फ अफसरशाही का एक और विस्तार बनकर नहीं रह जाना चाहिए।

युवा ऊर्जा : राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत

(लेखक- सुनील कुमार महला)

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस हर साल 12 अगस्त को युवाओं की भूमिका, अधिकारों, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर नजर डालें तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1999 को इसे मनाने की घोषणा की थी और पहली बार यह वर्ष 2000 में आयोजित हुआ था। यह दिवस युवाओं के अवसरों और चुनौतियों पर संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच प्रस्तुत करता है।

युवा नवाचार और परिवर्तन की बड़ी शक्ति-

हाल फिलहाल यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा, रचनात्मकता, नवाचार और परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। वैश्विक स्तर पर 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या करीब 120 करोड़ है, जो विश्व की कुल आबादी का लगभग 16 प्रतिशत है। आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में अग्रणी है। भारत में 10 से 24 वर्ष के 38.2 करोड़ से अधिक युवा हैं, जबकि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की आबादी लगभग 37 करोड़ है, जो देश की कुल आबादी का लगभग 27 प्रतिशत है। यह विशाल युवा आबादी भारत के लिए एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभांश और सबसे बड़ी शक्ति है।

स्वामी विवेकानंद के युवाओं के बारे में विचार-

स्वामी विवेकानंद युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति और परिवर्तन का प्रमुख माध्यम मानते थे। उनका मानना था कि युवाओं में अपार ऊर्जा, साहस, आत्मविश्वास और सृजनात्मक क्षमता होती है, जिसे सही दिशा देकर समाज का कायाकल्प किया जा सकता है। उनका प्रसिद्ध संदेश उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, मन की शक्ति बढ़ाना और आत्मनिर्भर व्यक्तित्व गढ़ना है। वे युवाओं में शारीरिक व मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, एकाग्रता और राष्ट्रसेवा की भावना को आवश्यक मानते थे। उनका युवा-दर्शन आज भी भारत की युवा शक्ति को जागृत करने के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

युवा शक्ति और आज का युग-

आज के दौर में युवा शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, खेल, कला, समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। डिजिटल युग ने उनके विचारों को वैश्विक मंच तक पहुँचाया है। हालांकि, बेरोजगारी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता, मानसिक दबाव, डिजिटल असमानता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियाँ भी उनके सामने खड़ी हैं। भारत के लिए युवा केवल भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान के निर्माण में भी सक्रिय भागीदार हैं। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, रोजगार, उद्यमिता, विज्ञान-तकनीक और नवाचार के अवसर मिलें, तो यह भारत को आर्थिक एवं सामाजिक विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाकर आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकती है। इसके साथ ही युवाओं में वैज्ञानिक सोच, संवेदनशीलता, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास भी अनिवार्य है।

निष्कर्षत:, अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस हमें याद दिलाता है कि युवाओं को अवसरों की तलाश करने वाला वर्ग नहीं, बल्कि अवसरों का निर्माण करने वाली शक्ति बनना होगा। युवा जितने जागरूक, कुशल, संवेदनशील और जिम्मेदार होंगे, समाज उतना ही मजबूत होगा। युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देना केवल सरकार या परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल, संस्कार और अवसरों से जोड़कर ही एक समावेशी, आत्मनिर्भर और सतत भविष्य का निर्माण संभव है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है।

अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है।

कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है।

जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

विचार मंथन

भ्रष्टाचार और पूंजीवाद के खिलाफ वैश्विक जंग?

(लेखक- सनत जैन)

दुनिया के अधिकांश देशों में अब पूंजीवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान शुरू हो गया है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा बढ़ती हुई महंगाई के बाद दुनिया के देशों में पूंजीवाद और बाजारवाद के खिलाफ युवा सड़कों पर आकर अपना विरोध दर्ज कराने लगे हैं।

चीन जैसे देश में हर दिन 2700 से ज्यादा भ्रष्ट अधिकारी पकड़े जा रहे हैं। चीन जैसे देश में पिछले तीन दशक में तेजी के साथ भ्रष्टाचार बढ़ा है। चीन में 2012 से लेकर अभी तक 70 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनके ऊपर मुकदमें चलाए गए हैं। भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को पकड़ने के लिए चीन की सरकार ने जासूस नियुक्त किए हैं। जो भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के बारे में जानकारी देते हैं। ऐसे जासूसों को चीन की सरकार प्रति जानकारी 100 युआन का भुगतान कर रही है। जो भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों, कर्मचारियों के बारे में जानकारी देते हैं। निजी तौर पर भ्रष्ट अधिकारियों के बारे में सूचना देने वालों की संख्या चीन में बढ़ती चली जा रही है। सरकार सख्ती के साथ भ्रष्टाचारियों से निपट रही है। चीन में बड़े-बड़े अधिकारी रिश्वत मामलों में पकड़े जा रहे हैं, उनसे भारी संपत्ति बरामद की जा रही है।

भारत में भी भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। भारत में कई एजेंसियों को भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने की जिम्मेदारी दी गई है। भारत में राजनीतिक संरक्षण के कारण भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर उतनी सख्ती के साथ अभी कार्यवाही नहीं हो रही है। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार पर कोई नियंत्रण नहीं है। सरकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही करने के लिए सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है। जो आसानी से नहीं मिलती है। न्यायालयों में कई वर्षों तक भ्रष्टाचार के प्रकरण चलते रहते हैं। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए भारत में अन्ना आंदोलन हुआ था। उसके बाद लोकपाल संस्था का गठन हुआ। कई वर्षों तक इसमें नियुक्ति नहीं हुई। लोकपाल के पद पर सुप्रीम कोर्ट के निवृतमान न्यायाधीश नियुक्त किये गये हैं। इस संस्था ने अभी तक भ्रष्टचार की जाँच में कोई रूचि नहीं ली है। जो शिकायतें जाती हैं, वह ठंडे बस्ते में डाल दी जाती है। लोकपाल का संरक्षण भ्रष्टाचारियों को मिल रहा है?

वहीं चीन ने भ्रष्टाचार के मामले में कड़ी कार्यवाही कर के बढ़त ले ली है। जिस तरह से दुनिया के देशों में महंगाई बेतहाशा बढ़ती चली जा रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां और बाजारबाद के कारण महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं हो पा रहा हैं। सरकारें बहु राष्ट्रीय कंपनियों के हिसाब से नियम और कानून बना रही हैं। इससे अब जनता के बीच में नाराजी बढ़ने लगी है। 100 से अधिक देशों में महंगाई और पूंजीवाद के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के इस दौर में वैश्विक स्तर पर परिवर्तन बड़ी तेजी के साथ देखने को मिल रहे हैं। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी बिना रिश्वत लिए कोई काम नहीं करते हैं। इससे सीधे आम जनता प्रभावित हो रही है। अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरने लगे हैं। भारत में जिस तरह से जेन-जी आंदोलित है। शिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी और न्यायिक व्यवस्था में बढ़ रहे भ्रष्टाचार के विरोध में युवा पीढ़ी सड़कों पर उतरकर मुखर हो रही है। भारत में विरोध प्रदर्शन का सिलसिला पिछले कुछ वर्षों से थम गया था। पिछले दो-तीन महीनों में अब विरोध का सिलसिला बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ है। हर जगह विरोध प्रदर्शन की बाढ़ आ गई है। लोग मुखर होकर अपनी बात कह रहे हैं। जनता भी अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर दबाव बनना शुरू हो गया है। भारत जैसे देश में अब लोग न्यायपालिका के बारे में भी खुलकर बोलने लगे हैं। यह एक बड़ा परिवर्तन भारत में देखने को मिल रहा है। भारत अकेला देश नहीं है, इस तरह के विरोध दुनिया के 100 से अधिक देशों में चल रहे हैं।

उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है, कि दुनिया के देशों में अब एक नई लहर पूंजीवाद के विरोध में देखने को मिल रही है। भ्रष्टाचार के खिलाफ भी लोग एकजुट हो रहे हैं। जिससे भविष्य में एक बड़े परिवर्तन की संभावना दिखने लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने का भाव 1600 चढ़ा, चांदी में भी 3132 रुपए की तेजी

सोना 1,54,699 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी 2,41,999 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में मंगलवार को सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता के माहौल के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने में अपनी दिलचस्पी बढ़ाई है। इसमें खासकर चीन के संस्थागत निवेशक और वहां के केंद्रीय बैंक की सक्रिय खरीदारी ने इन कीमती धातुओं के भावों को ऊपर चढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इस मांग के चलते सोने के वायदा भाव में मजबूत उछाल देखने को मिला, वहीं चांदी ने भी अपनी चमक बरकरार रखी। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 1,600 रुपये की तेजी के साथ 1,54,699 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,53,099 रुपये से काफी अधिक था। दिन के कारोबार में इस कॉन्ट्रैक्ट ने 1,55,437 रुपये का उच्च स्तर छुआ। इसी तरह चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट भी 3,132 रुपये की बढ़त के साथ 2,39,999 रुपये पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,36,867 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 2,39,154 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था और दिन के दौरान 2,41,999 रुपये के भाव पर दिन का उच्चतम स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 54.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,474.10 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 0.69 डॉलर की तेजी के साथ 65.96 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। मंगलवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने का भाव लगभग 4,450 डॉलर प्रति औंस और चांदी का भाव 66 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था। यह तेजी मुख्य रूप से बाजार में अनिश्चितता से बचाव के लिए हो रही खरीदारी से प्रेरित थी। चीन में संस्थागत निवेशकों ने सोने में अपनी हिस्सेदारी काफी बढ़ा दी है, जबकि चीन के केंद्रीय बैंक ने भी अपनी सोने की खरीदारी तेज कर दी है। इस वैश्विक रुझान का असर घरेलू बाजारों पर भी साफ दिखा। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में मजबूत तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक, सोने का वायदा भाव 1,55,100 रुपये के करीब, जबकि चांदी का भाव 2,39,150 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था।

अदाणी को अमेरिकी अदालत से राहत, शेयरों में शानदार उछाल

सिक्योरिटीज फॉड आरोपों से बरी हुए गौतम और सागर अदाणी

नई दिल्ली। अमेरिकी अदालत से बड़ी राहत मिलने के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को शानदार तेजी दर्ज की गई। ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी को अमेरिकी सिक्योरिटीज फॉड मामले में आरोपों से बरी किए जाने के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में 3.5 फीसदी तक की उछाल देखने को मिली। ब्रुकलिन स्थित अमेरिकी जिला अदालत के जज निकोलस गारौफिस ने देर रात जारी आदेश में गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ लगाए गए साजिश, सिक्योरिटीज फ्रॉड और वायर फ्रॉड के आरोपों को खारिज कर दिया। इस फैसले को अदाणी ग्रुप की अमेरिका में चल रही कानूनी मुश्किलों का अंत माना जा रहा है। इस खबर का असर मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार पर तुरंत दिखा।

जहां एक ओर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पूरे बाजार में बिकवाली का दबाव था, वहीं अदाणी ग्रुप के सभी प्रमुख शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अदाणी ग्रीन इनर्जी में सर्वाधिक 3.5 फीसदी की तेजी आई, जबकि अदाणी इंटरप्राइजेज 2.6 फीसदी बढ़कर 3,080 रुपये पर और अदाणी पोर्ट करीब 1.5 फीसदी चढ़े।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 388, निफ्टी 112 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं से भी बाजार गिरा है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदें कमजोर पड़ने से भी निवेशकों में सतर्कता का माहौल देखा गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 388.19 अंक की गिरावट के साथ ही 78,154.25 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.10 अंक नीचे आकर 24,471.70 पर बंद हुआ। आज बाजार में बिकवाली हावी रही। एफएमसीजी और रियल्टी स्टॉक्स में सबसे अधिक बिकवाली का दबाव रहा। सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक गिरावट रही। वहीं निफ्टी मेटल , निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी कमोडिटीज, , निफ्टी प्राइवेट बैंक में भी गिरावट रही जबकि

निफ्टी फार्मा, निफ्टी आईटी , निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑयल एंड गैस तेजी के साथ बंद हुए। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स गिरावट के साथ ही 63,843.85 पर और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 43.20 अंक तेजी के साथ 19,857.15 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टाइटन, एचसीएल टेक और टीसीएस के शेयर उछले जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, इंडिगो, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, आईटीसी, एमएंडएम, टाटा स्टील, एचयूएल, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी आदि गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 107.15 अंक गिरकर 24,475.55 के स्तर पर आ गया जबकि सेंसेक्स 383.79 अंक की गिरावट के साथ 78,158.65 पर पहुंच गया।

कच्चे तेल में तेजी, डब्ल्यूटीआई 82.18 डॉलर तो ब्रेंट कूड 87.76 डॉलर

नई दिल्ली ।

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उठापटक जारी है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण तेल की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.18 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 87.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिसमें मामूली बढ़त दर्ज की गई है। ईरान द्वारा अमेरिका से कुछ कड़ी शर्तें रखे जाने से इस अहम समुद्री मार्ग से आपूर्ति शुरू होने में देरी हो रही है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ रहा है। ईरान और ओमान के बीच नई शिपिंग लेन के समझौते को अंतिम चरण में बताया जा रहा है। हालांकि, ईरान चाहता है कि अमेरिका उसकी कुछ मांगों को पूरा करे, जिनमें मुआवजा, प्रतिबंधों को खत्म करना और सैन्य धमकियों को बंद करना शामिल है। इन्हीं मांगों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। इससे पहले सोमवार को तेल की कीमतों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। यह समुद्री मार्ग दुनिया की लगभग पांचवें हिस्से की तेल आपूर्ति का रास्ता है। पिछले हफ्ते समझौते की उम्मीदों के चलते कीमतों में 7 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी, लेकिन अब अनिश्चितता बढ़ने से फिर उछाल दर्ज की जा रही है। नेचुरल गैस, हीटिंग ऑयल और गैसोलीन जैसी अन्य कमोडिटीज़ में हल्की गिरावट देखी गई है, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें होर्मुज गतिरोध के चलते दबाव में हैं।

ब्लिंकिट स्टोर का लाइसेंस निलंबित, रिलायंस से सड़ी मिठाई जब्त

ब्लिं किट स्टोर के निरीक्षण में सब्जियों-फलों के स्टोरेज में कॉकरोच मिले

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने राज्य में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई की है। मुंबई के मलाड स्थित क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म` ब्लिंकिट के एक डार्क स्टोर का लाइसेंस गंभीर गंदगी और अनियमितताओं के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं बुलढाणा में` रिलायंस` रिटेल के एक आउटलेट से फफूंद लगी और कीड़े वाली काजू कतली के 54 बॉक्स जब्त किए गए हैं। मलाड वेस्ट के` ब्लिंकिट स्टोर के निरीक्षण में सब्जियों-फलों के स्टोरेज में भारी संख्या में कॉकरोच मिले। कोल्ड रूम में एक्सपायर्ड व टैम्पर्ड पैकेजिंग वाले उत्पाद और खराब साफ-सफाई पाई गई। कीड़े-चूहों की रोकथाम और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता संबंधी नियमों की अनदेखी भी सामने आई। इन गंभीर खामियों के चलते स्टोर का लाइसेंस निलंबित कर दिया। बुलढाणा में उपभोक्ता शिकायत के बाद एफडीए टीम ने एआरडी` सिनेमा स्थित`` रिलायंस रिटेल आउटलेट पर कार्रवाई की।

एचडीएफसी बैंक ने घटाई ब्याज दर, बैंक आफ बड़ौदा ने बढ़ाई

कर्जदारों को तत्काल फायदा या नुकसान नहीं होगा

नई दिल्ली ।

देश के दो प्रमुख बैंकों एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में बदलाव किया है. एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर में 5 बेसिस पॉइंट तक की कटौती की है, जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 3 महीने की एमसीएलआर में 10 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की है. ये नई दरें अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह से प्रभावी हुई हैं, पर इसका हर कर्जदार पर तत्काल असर नहीं होगा! एचडीएफसी बैंक की नई दरें 7 अगस्त से लागू हैं, जिसके बाद अलग-अलग अवधि के लिए एमसीएलआर अब 8 फीसदी से 8.65 फीसदी के बीच है. बैंक ने अपनी ज्यादातर एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की कमी की है. हालांकि, इसका फायदा उन्हीं ग्राहकों को मिलेगा जिनका लोन एमसीएलआर से जुड़ा है और जिनकी ब्याज दर की अगली रीसेट डेट अभी बाकी है. लोन की अंतिम ब्याज दर एमसीएलआर और बैंक के स्प्रेड को मिलाकर तय होती है।

इसके विपरीत बैंक ऑफ बड़ौदा ने 3 महीने की एमसीएलआर को 10 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 8.30 फीसदी कर दिया है, जो 12 अगस्त से प्रभावी

है. इससे एमसीएलआर से जुड़े कुछ ग्राहकों के लिए कर्ज महंगा हो सकता है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि अक्टूबर 2019 के बाद दिए गए अधिकांश फ्लोटिंग रेट रिटेल लोन बाहरी बेंचमार्क, जैसे रेपो रेट, से जुड़े होते हैं, न कि एमसीएलआर से ऐसे ग्राहकों पर इन एमसीएलआर बदलावों का सीधा असर नहीं होता और उन्हें अपनी ब्याज दर के लिए रेपो रेट के बदलावों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि उनकी दरें आमतौर पर हर तीन महीने में रीसेट होती हैं।

मारुति ग्रैंड विटारा की घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्रि दर्ज

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की लोकप्रिय एसयूवी ग्रैंड विटारा ने अपनी बिक्री के 4 लाख यूनिट्स के आंकड़े को छू लिया है। अपने लॉन्च होने के बाद से लेकर जून 2026 तक इस एसयूवी ने घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जबकि 62,500 यूनिट्स का निर्यात भी किया गया है।

यह उपलब्धि ग्रैंड विटारा ने 45 महीनों में हासिल की है, जिसे मारुति के प्रीमियम नेक्सा शोरूम के माध्यम से बेचा जाता है। ग्राहक औसतन हर महीने 8,911 यूनिट्स और हर दिन लगभग 293 लोग इस एसयूवी को खरीद रहे हैं। हालांकि, 4 लाख के आंकड़े तक पहुंचने में इसे दूसरी पीढ़ी की हुंडई क्रेटा के मुकाबले 21 महीने ज्यादा लगे, जिसने यह मुकाम 25 महीनों में हासिल कर लिया था। फिर भी, ग्रैंड विटारा ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में कई रिकॉर्ड बनाए हैं; यह 1 लाख यूनिट (12 महीने में), 2 लाख यूनिट (22 महीने में, पहली पीढ़ी की क्रेटा को पीछे छोड़ते हुए) और 3 लाख यूनिट (कुल 10 महीने में 2 से 3 लाख तक) तक पहुंचने वाली सबसे तेज एसयूवी रही है। ग्रैंड विटारा अपने हाइब्रिड इंजन के लिए जानी जाती है, जो एक फुल टैंक पर 1200 किमी तक की रेंज प्रदान करती है और 27.97 किमी/लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज देती है। इसमें 1.5 लीटर का के15 माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्प मौजूद है।

वित्त वर्ष 2025 ग्रैंड विटारा के लिए सबसे अच्छा साल रहा, जिसमें 1,23,946 यूनिट्स की बिक्री हुई। यह मारुति की नेक्सा डीलरशिप के जरिए बेची जाने वाली दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी है, जो मारुति फ्रोंक्स के बाद है। सुविधाओं की बात करें तो, इसमें 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स शामिल हैं।

रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपय 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.34 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.38 पर खुला। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट से रुपये पर दबाव आया। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से रुपये को बल मिला, जिससे इसमें और अधिक गिरावट नहीं आई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 95.30 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 99.77 पर रहा।

लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा के कई रेंडर आए सामने

नई दिल्ली ।

अपने लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा एसयूवी के कई रेंडर सामने आए हैं, जिसमें इसका 360 डिग्री लुक देखा जा सकता है। ये डिजाइन सीधे तौर पर एक साइंस-फाई फिल्म से प्रेरित लगता है, जो इसे मौजूदा मॉडल से पूरी तरह अलग पहचान देता है और इसे बाजार में एक अनोखी जगह देगा।

इस नए और भविष्यवादी डिजाइन की प्रेरणा नवंबर 2025 में ऑटोमोबिलिटी एलए (लॉस एंजिल्स ऑटो शो) में पेश किए गए क्रेटर कॉन्सेप्ट से मिली है। वर्तमान मॉडल की घुमावदार बॉडी पैनलिंग की जगह अब तेज और अधिक कोणीय सतहों का इस्तेमाल किया गया है, जो एसयूवी को एक मजबूत और आधुनिक स्वरूप प्रदान करता है। कार का फ्रंट फेसिया अब अधिक सीधा और थोड़ा लंबा नजर आता है, जिससे इसकी सुरक्षा में भी सुधार होगा। इसमें पिक्सेल स्टाइल एलईडीडीआरएलएस और गहराई से लगाए गए हेडलैम्प्स दिखते हैं, जो आंशिक रूप से बंद ग्रिल के साथ एकरूपता बनाए रखते हैं। नई क्रेटा में चार पार्किंग सेंसर के साथ एक प्रमुख ब्लैक-आउट बम्पर है जिसमें हॉरिजोंटल और वर्टिकल ट्रिम इंसर्ट्स दिए गए हैं। साइड प्रोफाइल में व्हील आर्च पर विशिष्ट कैरेक्ट लाइनें और मौजूदा मॉडल की अंडाकार इकाइयों की तुलना में अधिक चौकोर ओआरवीएम्स का उपयोग किया गया है। पीछे की तरफ, इसमें हॉरिजोंटली रखे गए स्पेसिफिक पिक्सेल शैली के टेल लैंप हैं, जो एक एलईडीडी लाइट स्ट्रिप और चमकदार ब्लैक ट्रिम के साथ जुड़े हुए दिखते हैं, जिससे एक कनेक्टेड प्रोफाइल बनती है।

अन्य बाहरी फीचर्स में नए एलॉय व्हील, बॉडी कलर के डोर हैंडल, ब्लैक बी पिलर्स, ढलान वाली छत, छत की रेलिंग और एक शार्क फिन एंटीना शामिल हैं। इंटीरियर में एडवांस्ड कनेक्टिविटी फीचर्स (जैसे ब्लूलिंक), लेवल 2+ एडीडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और एक अपडेटेड हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। मालूम हो कि हुंडई अपनी अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी पर काम कर रही है, जिसे कोडनेम एसएक्स3 दिया गया है। इसके साल के आखिर या 2027 की शुरुआत में पेश किए जाने की उम्मीद है।

ट्रंप मीडिया ने कई कारोबार समेटे, विवादित फास्ट फीड से आय पर जोर

राष्ट्रपति की पोस्ट के फास्ट फीड से सालाना करोड़ों कमाने का लक्ष्य, नैतिक सवाल उठे

न्यूयॉर्क ।

वित्तीय संकट और शेयरों में भारी गिरावट का सामना कर रही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मीडिया कंपनी ने अपने कारोबारी मॉडल में बड़ा बदलाव किया है। ट्रुथ सोशल की मूल कंपनी, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (टीएमटीजी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी, वित्तीय सेवाओं और परमाणु ऊर्जा जैसे कई असफल कारोबारी विस्तार को रद्द कर दिया है। एक अरब डॉलर से अधिक का घाटा झेल चुकी कंपनी अब अपने मूल मीडिया कारोबार पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रही है। टीएमटीजी ने अपने शेयरों में गिरावट और भारी नुकसान के बाद कई नए कारोबारी विस्तार को समेटने का फैसला किया है। इसके बजाय कंपनी अब एक नई रणनीति पर काम कर रही है, जिसके तहत उसने ट्रुथ एपीआई नामक एक सशुल्क सेवा शुरू की है। यह सेवा ग्राहकों को राष्ट्रपति ट्रंप की पोस्ट तक सामान्य उपयोगकर्ताओं की तुलना में अधिक तेजी से पहुंच प्रदान करती है। कंपनी के सीईओ केविन मैकगर्न के अनुसार, इस सेवा से जुड़ने वाली हाई-स्पीड ट्रेडिंग कंपनियां प्रति माह 60,000 डॉलर से 100,000 डॉलर तक का भुगतान कर रही हैं। सेवा शुरू होने के एक सप्ताह के भीतर 10 कंपनियां इससे जुड़ चुकी हैं, जिससे कंपनी को सालाना 72 लाख डॉलर से 1.2 करोड़ डॉलर तक की अतिरिक्त आय होने का अनुमान है। यह आय कंपनी के गहरे वित्तीय घाटे को भरने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि, विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और शासन पर नजर रखने वाले समूहों ने इस फास्ट फीड सेवा को लेकर गंभीर नैतिक सवाल उठाए हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की सरकारी जिम्मेदारियों और उनके कारोबारी हितों के बीच संभावित टकराव पर चिंता व्यक्त की है। कंपनी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि अन्य सोशल मीडिया कंपनियां भी इसी तरह की सेवाएं प्रदान करती हैं, जबकि व्हाइट हाउस ने हितों के टकराव से इनकार किया है।

पावर ग्रिड में दिलचस्प बदलाव- बीमा कंपनियों ने बढ़ाई हिस्सेदारी, एआईआई ने घटाई

छह महीने में घरेलू बीमा कंपनियों ने 2.4 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ाई, विदेशी निवेशकों ने कम की

नई दिल्ली ।

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) में बड़े संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी में एक दिलचस्प बदलाव देखने को मिला है।

जून 2026 तिमाही के आंकड़ों के अनुसार जहां घरेलू बीमा कंपनियों ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाई है, वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी होल्डिंग में मामूली कमी की है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब देश के बिजली पारेषण नेटवर्क की यह प्रमुख कंपनी अगले कुछ सालों के लिए एक विशाल ऑर्डर बुक के साथ मजबूत स्थिति में है, जिसका कुल मूल्य 1.76 लाख करोड़ रुपये है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 से जून 2026 तक प्रमोटर (सरकार) की हिस्सेदारी 51.3 फीसदी पर स्थिर रही। हालांकि, संस्थागत निवेशकों के बीच हिस्सेदारी का पैटर्न बदल गया। बीमा कंपनियों ने इस अवधि में अपनी हिस्सेदारी 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर ली, जो केवल छह महीनों में 2.4 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसके विपरीत, विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 2025 के 24.8 फीसदी से घटकर जून 2026 तक 24.3 फीसदी रह गई। म्युचुअल फंड और अन्य घरेलू संस्थानों की हिस्सेदारी भी थोड़ी घटकर 13.6 फीसदी पर आ गई। रिपोर्ट में हालांकि इन बदलावों के पीछे कोई विशिष्ट कारण नहीं बताया गया है, और इससे सीधे तौर पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि बीमा कंपनियों का भरोसा बढ़ा है या विदेशी निवेशक दूर हो रहे हैं। कंपनी की सबसे बड़ी ताकत उसकी भविष्य की विकास क्षमता और मौजूदा मजबूत ऑर्डर बुक है।

पावर ग्रिड के पास मौजूदा समय में लगभग 1.76 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट हाथ में हैं, जो पिछले एक साल में 18 फीसदी की वृद्धि दर्शाते हैं। इसमें 1.46 लाख करोड़ रुपये के प्रतिस्पर्धी बोली वाले प्रोजेक्ट और 25,000 करोड़ रुपये के अन्य प्रमुख प्रोजेक्ट शामिल हैं। भविष्य में लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं, जिनमें से 73,900 करोड़ रुपये के लिए बोली प्रक्रिया जारी है।

यूपीआई रहेगा शुल्क-मुक्त, बड़े कारोबारी पर ही लगेगा एमडीआर- वित्त मंत्री

राज्यसभा में सांसदों को दिया आश्वासन, छोटे व्यापारियों को भी एमडीआर से मिलेगी छूट

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में सांसदों को आश्वस्त किया कि ग्राहकों के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से डिजिटल भुगतान हमेशा शुल्क-मुक्त रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में कोई भी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) केवल एक निश्चित सीमा से ऊपर के सीमित कारोबारी लेनदेन पर ही लागू होगा। यह जानकारी उन्होंने कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा के दौरान दी। यह विधेयक राज्यसभा से पारित हो चुका है और अब इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इसमें भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 में संशोधन का प्रस्ताव है ताकि एमडीआर नामक एक लेनदेन शुल्क का प्रावधान किया जा सके। हालांकि, वित्त मंत्री ने साफ किया कि इसका उद्देश्य यूपीआई उपयोगकर्ताओं पर कोई कर या लेनदेन शुल्क लगाना नहीं है।

विधेयक पारित होने के बाद एक समिति इस बात पर विचार करेगी कि एमडीआर लागू किया जाना चाहिए या नहीं और यदि हां, तो उसका दायरा एवं ढांचा क्या होगा। सीतारमण ने कहा कि फिलहाल किसी एमडीआर ढांचे को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छोटे व्यापारियों, जिनमें चाय विक्रेता, सब्जी विक्रेता, स्ट्रीट वेंडर, फूल विक्रेता, ऑटो चालक और किराना स्टोर शामिल हैं, पर एमडीआर लागू नहीं किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यशपाल शर्मा

वर्ल्ड कप 1983 के नायक, जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम इंडिया को संभाला था

नई दिल्ली । वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम के अहम सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने कठिन परिस्थितियों में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। 11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा अपने मजबूत डिफेंस से किसी भी अटैक को बेअसर करने में माहिर थे। 1977-78 में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की तरफ से खेलते हुए उन्होंने साउथ जोन के खिलाफ 173 रन की पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई। अगले सीजन में यशपाल ने पाकिस्तान का दौरा किया, लेकिन टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। हालांकि, कुछ वक्त बाद टीम में आखिरकार मौका मिल ही गया। करीब दो दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर में यशपाल ने 160 मैच खेले, जिसमें 44.88 की औसत के साथ 8,933 रन बनाए। इस दौरान 21 शतक और 46 अर्धशतक शामिल रहे। यशपाल ने फर्स्ट क्लास करियर में 201 रन की नाबाद पारी भी खेली है। साल 1978 से 1985 के बीच यशपाल ने भारत के लिए 37 टेस्ट और 42 वनडे मैच खेलते हुए मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी। इस दौरान उनके बल्ले से टेस्ट फॉर्मेट में 33.45 की औसत के साथ 1,606 रन निकले, जिसमें 2

शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे फॉर्मेट में इस बल्लेबाज ने 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाए। 1981-82 में यशपाल शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 140 रन बनाते हुए जीआर विश्वनाथ के साथ 316 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यशपाल वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, जो उस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उन्होंने 8 मुकाबलों में 34.29 की औसत के साथ 240 रन बनाए। यशपाल ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 89 रन, जबकि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 61 रन की पारी खेली थी। रिटायरमेंट के बाद यशपाल कोचिंग, कमेंट्री और क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे। उन्होंने दो चरणों (साल 2004-05 और 2008-11) में नेशनल सिलेक्टर के तौर पर काम किया। कई घरेलू मुकाबलों में मैच रेफरी की भूमिका निभा चुके यशपाल शर्मा दिल्ली की क्रिकेट सलाहकार समिति का भी हिस्सा रहे। 13 जुलाई 2021 को दिल का दौरा पड़ने से यशपाल शर्मा का निधन हो गया। इस दिग्गज क्रिकेटर ने अपने करियर में साबित किया है कि बड़े मंच पर दबाव के बावजूद आत्मविश्वास और मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

25 हजार+ रन और 577 विकेट

ब्रेट ली ने तेंदुलकर नहीं इस दिग्गज को बताया सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

नई दिल्ली। मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर दुनिया के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों में 10,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी जैक्स कैलिस दुनिया के इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे में 10,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ दोनों फॉर्मेट में 250 से ज्यादा विकेट भी लिए हैं। तेंदुलकर टेस्ट और वनडे में क्रमश: 15,921 और 18,426 रन स्कोर के साथ सबसे ज्यादा रन

बनाने वाले खिलाड़ी हैं, वहीं कैलिस को दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने तीनों प्रारूप मिलाकर 25000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 277 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया है कि वे तेंदुलकर को अब तक का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज और कैलिस को अब तक का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर मानते हैं।

सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस- ली ने यूट्यूब पर पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' में बात करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि मेरे हिसाब से सचिन तेंदुलकर अब तक के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन मेरी राय में सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस हैं। उनके आंकड़े दुनिया में सबसे अच्छे हैं। अगर आप उनके आंकड़े देखें तो वे कभी झूठ नहीं बोलते। वे सच में कमाल के हैं।'

कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे- ली ने आईपीएल में कैलिस के साथ बिताए अपने समय के बारे में भी बात की और बताया कि बैटिंग करने जाने से पहले कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे।

KBC में अमिताभ बच्चन ने पूछा सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल

आमिर खान-सनी देयोल को नहीं पता था जवाब

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति के 18वें सत्र के पहले एपिसोड में दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने आमिर खान, प्रीति जिंटा और सनी देओल ने भारतीय के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल पूछा। आमिर खान और सनी देओल को इसकी इसकी जानकारी नहीं थी। पंजाब किंग्स की सह-

मालकिन प्रीति जिंटा ने इसका जवाब दिया, लेकिन वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थीं। अमिताभ बच्चन ने 1 लाख रुपये के सवाल में पूछा कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में ऑरेंज कैप कौन जीता? इसके लिए स्क्रीन पर पर्पल कैप के सामने गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की फोटो दिखाई गई और पूछा गया कि ऑरेंज कैप के सामने किस खिलाड़ी को फोटो आएगी। इनमें 4 ऑप्शन केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी थे। **मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी**- आमिर खान ने स्क्रीन की ओर देखते हुए प्रीति जिंटा से कहा, 'यार क्रिकेट का आपको पता होना चाहिए।'

गॉल में भारत का रिकॉर्ड

1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले, भारत को 22 में जीत मिली है

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों देशों के बीच 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले गए। भारत को 22 में जीत मिली है और 7 में हार का सामना करना पड़ा। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम 11 साल से अजेय है। 2015 में उसे 63 रन से हार मिली थी। यह मैच गॉल में ही खेला गया था, जहां भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से पहला मैच खेला जाएगा।

श्रीलंका से आखिरी बार यहीं टेस्ट गंवाया, केएल राहुल थे हिस्सा

केएल राहुल उस मैच का हिस्सा थे और उनका बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन और विराट कोहली ने पहली पारी में शतक जड़े थे।

2015 गॉल टेस्ट के बाद भारत का दबदबा

इस मैच के बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 10 मैच हुए हैं। भारतीय टीम 8 मैच जीती है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। एक मैच गॉल में भी हुआ है, जिसमें भारत ने 2017 में 304 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने गॉल में 5 मैच खेले हैं। 2 में जीत मिली है और 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

घुटने की चोट के कारण

सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर

नई दिल्ली । दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा। सिनर ने एक बयान में कहा, 'अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना ??होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं।'

सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। 'सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।'

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे।इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

रोहित की छुट्टी

IPL खेल चुके खिलाड़ी को कमान, वनडे में नेपाल का बदला कप्तान

नई दिल्ली। नेपाल ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंस प्रीमियर कप से पहले वनडे क्रिकेट में कप्तान बदल दिया है। यह 50 ओवर का टूर्नामेंट 2027 एसीसी मेंस एशिया कप के लिए क्वालिफायर के तौर पर काम करता है। नेपाल ने इस टूर्नामेंट से पहले अनुभवी खिलाड़ी संदीप लामिछाने को रोहित पौडेल की जगह कप्तान बना दिया है।

लामिछाने के पास इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का अनुभव है। 2018-2019 में दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे और 9 मैच खेले थे। उन्होंने 13 विकेट लिए थे। 26 साल के इस लेग स्पिनर ने वनडे में 77 मैच खेले हैं और 154 विकेट लिए हैं।

पौडेल की कप्तानी में निखरा नेपाल- 2022 में पौडेल के कप्तानी संभालने से पहले लामिछाने ने 14 वनडे मैचों में नेपाल की कप्तानी की थी। पौडेल ने अपने कार्यकाल में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल को 12 में से 11 वनडे मैच जिताने में मदद की, जिससे टीम ने जून 2023 में जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जगह बनाई।

लामिछाने की उपलब्धियां

पौडेल ने बैटिंग ऑर्डर में एक भरोसेमंद और अहम खिलाड़ी की भूमिका निभाई। लामिछाने के नाम उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले नेपाली खिलाड़ी है। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी हैं।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्ड 2027 के लिए क्वालिफाई

आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

राशिद और यामिन ने जीत दिलाई

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

UPT20: जुरेल जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से कैसे मिलता है फायदा?

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश टी20 (यूपी20) लीग का चौथा सीजन इस बार और भी भव्य और रोमांचक होने जा रहा है। गोरखपुर लायंस की टीम ने टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज आर्यन जुयाल

और तेज गेंदबाज विशाल निषाद ने टीम की तैयारियों, रणनीतियों और आगामी सीजन पर मीडिया से विशेष बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने से क्या लाभ मिलता है। दोनों खिलाड़ी आईपीएल में चुने जा चुके हैं खिलाड़ियों के अनुसार इस सीजन में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा रहने वाला है। टीम प्रबंधन और ओनरशिप ने ऑक्शन से लगभग डेढ़ महीने पहले ही होमवर्क शुरू कर दिया था, जिसके दम पर एक संतुलित और मजबूत टीम कॉम्बिनेशन तैयार किया गया है।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप: बंदरों से निपटने का उपाय

लंगूर की आवाज निकालने वालों की ली जाएगी सेवा

नई दिल्ली। अगले सप्ताह दिल्ली में शुरू होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान बंदरों के खलल को रोकने के लिए आयोजकों ने एक अनोखा उपाय अपनाया है। उन्होंने तीन पेशेवर विशेषज्ञों को बुलाया है, जो लंगूर की तरह आवाज निकाल सकते हैं ताकि बंदरों को स्टेडियम से दूर भगाया जा सके।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने माना कि यह उपाय सुनने में लोगों को मजाकिया लग सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे यह भी पता चलता है कि भारत इस विश्वस्तरीय आयोजन को सफल बनाने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास कर रहा है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प- 17 वर्षों बाद भारत में लौट रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई)

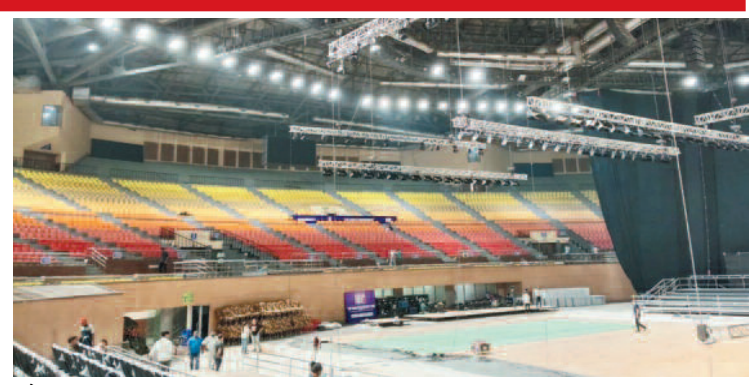

और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने मिलकर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प किया है। इसका उद्देश्य इस वर्ष जनवरी में हुए इंडिया ओपन के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई आलोचना जैसी स्थिति से बचना है।

'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदर- आयोजकों ने तीन प्रशिक्षित 'मंकी व्हिस्पर्स' (बंदरों को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ) को नियुक्त किया है, जो लंगूर की आवाज निकालकर 'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदरों को डराकर भगाएंगे।

इंडिया ओपन में डाला था खलल

इंदिरा गाधी स्टेडियम में ही 17 से 23 अगस्त तक विश्व चैंपियनशिप आयोजित होगी। यह अनोखा कदम जनवरी में हुए इंडिया ओपन के बाद उठाया गया है। उस टूर्नामेंट के दौरान बंदर दर्शक दीर्घा तक पहुंच गए थे, जिससे कुछ समय के लिए मुकाबलों में व्यवधान पड़ा और इसकी तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बनी थीं।

लंगूर से डरते हैं 'रीसस मकाक'

विशेषज्ञों के अनुसार, 'रीसस मकाक' बंदर लंगूर से डरते हैं। लंगूर आकार में उनसे काफी बड़े होते हैं। इसी स्वाभाविक डर का फायदा उठाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि ऐसे कार्यों के लिए वास्तविक लंगूरों के इस्तेमाल पर वर्ष 2012 में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में गोलीबारी की वारदातों से दहशत: शिकागो में तीन लोगों की मौत, नॉर्थ कैरोलिना में एक परिवार पर टूटा कह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में सप्ताहांत में हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। सीबीएस शिकागो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह 8:22 बजे तक शहर में कुल आठ गोलीबारी की घटनाएं हुईं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इन घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई और नौ अन्य घायल हुए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। इसके अलावा, शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय व्यक्ति के सिर में गोली लगी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इन गोलीबारी की घटनाओं में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, 7 अप्रैल तक समाप्त हुए 12 महीनों के दौरान शिकागो में बंदूक हिंसा के 1,878 पीड़ित दर्ज किए गए, जिनमें से 356 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के कैसवेल काउंटी में एक ग्रामीण इलाके में स्थित घर में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने दी। पुलिस को बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) 8 बजे से ठीक पहले घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने की हालत में पाया। नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि गोली लगने से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कई अन्य लोगों की मौत हो चुकी थी।

अमेरिकी हमले में मिनाब के स्कूल में मारे गए थे 120 बच्चे, शिक्षिका का दर्द छलका

तेहरान/मिनाब, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जंग के पहले दिन शजरेह तय्यबेह प्राथमिक स्कूल अमेरिकी टोमाहाक मिसाइल का निशाना बना था। तबाही के निशान आज भी ताजा हैं, स्कूल की जगह मलबे का ढेर नजर आता है। इस हमले में 120 बच्चों समेत 156 बेकसूर लोग मारे गए थे। इस घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। द गार्जियन ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट ने जंग के बाद बदले ईरान के हालात के बारे में बताया। मिनाब में तबाही के इस मंजर के बीच जब राहत कर्मी मलबे को हटा रहे थे, तो उन्हें कंक्रीट के टुकड़ों के बीच आठ साल की माह्या सलारी की एक कॉपी मिली, जिसके पन्ने अभी भी सुरक्षित थे। माह्या अपने छोटे भाई अली के साथ स्कूल में थी और हमले से ठीक पहले उनकी मां उन्हें लेने आई थीं। इस हमले में तीनों की मौत हो गई थी। शहर की दीवारों और दुकानों पर अब मृत बच्चों की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगी हैं, जो नागरिकों की पीड़ा का प्रतीक बन चुकी हैं। अमाइनेह नदीमी इस स्कूल में छह साल तक पहली कक्षा के बच्चों को पढ़ाया करती थीं। अमाइनेह ने बताया कि हमले के बाद उन्होंने अपने माता-पिता को नंगे पांव इमारत की तरफ दौड़ते देखा। वह बताती हैं, एकबारगी तो मुझे यही लगा कि हर कोई बाहर निकल गया है। लेकिन बाद में समझ आया कि वे सब मलबे के नीचे थे। मिनाब के कब्रिस्तान का नजारा भावुक कर देने वाला है। हमले में मारे गए बच्चों की छोटी-छोटी कब्रों की पंक्तियों के बीच से गुजरते लोगों के चेहरे पर जंग का दर्द उभर आता है।

ट्रंप ने साझा किया हिलेरी का लेख: गाजा प्लान का समर्थन क्यों कर रहीं पूर्व विदेश मंत्री नेतन्याहू ने क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का एक लेख साझा किया। यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। इसमें क्लिंटन ने ट्रंप की गाजा शांति योजना का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि गाजा में जारी संकट से निपटने के लिए कोई दूसरा ढांचा मौजूद नहीं है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित हिलेरी क्लिंटन के लेख के कुछ अंश साझा किए। इसमें लिखा था- दुनिया को ट्रंप की गाजा योजना पसंद नहीं आ सकती, लेकिन इसका कोई विकल्प नहीं है। अगर मैं भी , जो राष्ट्रपति की सख्त विरोधी रही हूं, इसे सबसे बेहतर विकल्प के तौर पर स्वीकार कर सकती हूं, तो निश्चित रूप से दूसरे लोग भी ऐसा कर सकते हैं। क्लिंटन का यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। यह ट्रंप के उन दावों से पहले आया था, जिनमें उन्होंने एक समझौते के अंतिम रूप लेने की बात कही थी। ट्रंप ने सितंबर 2025 में अपनी 20 सूत्री शांति योजना जारी की थी, जबकि 15 सूत्री गाजा शांति योजना इस साल जुलाई में पेश की गई थी। हिलेरी क्लिंटन ने क्या कहा था क्लिंटन ने कहा था कि गाजा शांति योजना को लेकर चिंताओं के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसके साथ आगे बढ़ना चाहिए। उनके मुताबिक, यह एकमात्र उपलब्ध ढांचा

(फ्रेमवर्क) है, जिसमें संबंधित पक्षों को योजना लागू करने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। क्लिंटन ने लिखा था- पर्दे के पीछे कोई दूसरा ढांचा तैयार नहीं है। कोई दूसरा गठबंधन चुपचाप इससे बेहतर प्रस्ताव तैयार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि 20 सूत्री योजना ही ऐसा एकमात्र ढांचा है, जिसे पर्याप्त प्रभाव, राजनीतिक भागीदारी और संभावित संसाधनों का समर्थन हासिल है। ट्रंप ने क्या एलान किया था इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि गाजा में हमास और दूसरे सशस्त्र समूहों को 'पूरी तरह से निरस्त्र' करने और इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ इस्राइली सैन्य बलों की चरणबद्ध वापसी को लेकर एक समझौता हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई के घटनाक्रम को शांति और सुरक्षा की दिशा में एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया था। उन्होंने कहा था कि यह समझौता कई चरणों में लागू किया जाएगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा था- यह समझौता सावधानी से तय किए गए चरणों में लागू किया जाएगा। जैसे-जैसे निरस्त्रीकरण पूरा होगा, इस्राइली सेना पीछे हटेगी और अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल एक नई फलस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा, ताकि वहां के निवासियों और उसके पड़ोसियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आगे कहा, यह समझौता गाजा के लिए उनकी 20 सूत्री योजना को लागू करने की दिशा में एक बड़ा पड़ाव है। उन्होंने कहा कि अंत में इस क्षेत्र का प्रशासन एक 'नई फलस्तीनी सरकार' करेगी, जो फलस्तीनी लोगों की मदद के लिए बने शांति बोर्ड के साथ मिलकर काम करेगी। नेतन्याहू ने खारिज किया ट्रंप का प्लान हालांकि, रविवार को इस्राइल ने ट्रंप की 15 सूत्री गाजा शांति योजना को खारिज कर दिया। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जब तक हमास को 'वास्तव में' निरस्त्र नहीं किया जाता, तब तक इस्राइल गाजा से अपनी सेना नहीं हटाएगा। इस्राइली मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल 15 सूत्री दस्तावेज को खारिज करता है। वह जुलाई के आखिर में हमास के समर्थन वाले प्रस्ताव की बात कर रहे थे। कैबिनेट की बैठक में नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइली सेना तब तक कोई वापसी नहीं करेगी, जब तक हमास को वास्तव में निरस्त्र नहीं किया जाता। शांति योजना को छोड़ने के लिए फिर से कैबिनेट में वोट कराने की मांग कर रहे दक्षिणपंथी गठबंधन के सहयोगी नेतन्याहू पर दबाव बना रहे हैं। इसी बीच, नेतन्याहू ने कहा कि इस मुद्दे पर इस्राइल की वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, नेतन्याहू फिलहाल कड़े चुनावी मुकाबले में हैं। नेतन्याहू ने कहा, उनके पास कुछ विचार हैं। उनमें से कुछ हमें स्वीकार्य हैं और कुछ नहीं हैं। हम जानते हैं कि इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पर मजबूती से कैसे कायम रहना है।

ट्रंप की 15 सूत्री योजना में क्या है : ट्रंप की 15 सूत्री योजना में गाजा संघर्ष को खत्म करने, सशस्त्र गुटों को निरस्त्र करने, इस्राइली सैनिकों को वापस बुलाने और गाजा के प्रशासन को एक फलस्तीनी तकनीकी निकाय को सौंपने की चरणबद्ध रणनीति बताई गई है। इस निकाय का नाम 'गाजा प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति' है। योजना के तहत भारी हथियार, हथियारों के भंडार, सैन्य ठिकाने और सुरंगें इस समिति के नियंत्रण में रखी जाएंगी। वहीं, इस्राइली सैनिकों और फलस्तीनी प्रशासन वाले इलाकों को अलग रखने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल तैनात किया जाएगा।

बच्चे ने नहीं बांधी सीट बेल्ट तो 24 घंटे देरी से उड़ी उड़ान, विमान से उतारने में इतना समय क्यों लगा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में एक बच्चे के सीट बेल्ट लगाने से इनकार करने की वजह से पोर्टर एयरलाइंस की उड़ान को टेकऑफ से ठीक पहले रोकना पड़ा। उड़ान संख्या पीडी4444 छह अगस्त को विक्टोरिया इंटरनेशनल एयरपोर्ट से टोरंटो के लिए रवाना होने वाली थी। विमान रनवे की ओर बढ़ रहा था, तभी चालक दल ने देखा कि एक बच्चा सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए है। सुरक्षा नियमों के तहत बच्चे को सीट बेल्ट लगाना जरूरी था। माता-पिता और चालक दल ने बच्चे को सीट बेल्ट बांधने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद विमान को असुरक्षित स्थिति में उड़ाने के बजाय वापस टर्मिनल लाने का फैसला किया गया।

बच्चे और माता-पिता को विमान से उतारने में इतना समय क्यों लगा विमान को गेट पर वापस लाने के बाद बच्चे और उसके माता-पिता को विमान से उतारने की प्रक्रिया शुरू हुई। उनके सामान को निकालने और जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने में समय लगा। इस दौरान काफी देर हो चुकी थी। एयरपोर्ट का रनवे रात 12:30 बजे बंद हो जाता है। ऐसे में विमान के पास उसी रात टोरंटो के लिए उड़ान भरने का समय नहीं बचा। इसके बाद पूरी उड़ान को अगले दिन के लिए टालना पड़ा। एयरलाइन ने उड़ान को सात अगस्त की रात 10:49 बजे के लिए फिर से निर्धारित किया। विमान शनिवार सुबह टोरंटो पहुंचा। इस तरह यात्रियों को करीब 24 घंटे की देरी झेलनी पड़ी।

क्या एयरलाइन बच्चे और उसके माता-पिता को उतारकर बाकी यात्रियों को ले जा सकती थी घटना के बाद यह सवाल भी उठा कि क्या एयरलाइन बच्चे और उसके माता-पिता को विमान से उतारकर बाकी यात्रियों के साथ उड़ान जारी रख सकती थी। हालांकि, विमान को वापस गेट पर लाने, यात्रियों को उतारने, बच्चे और उसके माता-पिता के सामान को अलग करने तथा जरूरी प्रक्रिया पूरी करने में इतना समय निकल गया कि रनवे बंद होने की समयसीमा आ गई। एयरलाइन के अनुसार असुरक्षित स्थिति में विमान को उड़ाना संभव नहीं था। इसलिए सभी यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा और उड़ान को अगले दिन के लिए पुनर्निर्धारित करना पड़ा। घटना से प्रभावित यात्रियों को देरी के लिए कोई मुआवजा मिला या नहीं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सीट बेल्ट को लेकर माता-पिता की जिम्मेदारी पर सवाल क्यों उठे घटना के बाद सोशल मीडिया पर माता-पिता की भूमिका को लेकर बहस शुरू हो गई। कुछ यात्रियों और सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाया कि अगर बच्चा सीट बेल्ट लगाने से इनकार कर रहा था।

काश पटेल अक्तूबर में जाएंगे रूस, क्या एफबीआई प्रमुख कोई बड़ा लेन-देन करने जा रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल अक्तूबर के मध्य में रूस की यात्रा करने की तैयारी में हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटेल 14 और 15 अक्तूबर को मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जाएंगे। यह यात्रा ऐसे समय प्रस्तावित है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख का रूस जाना इसलिए भी असामान्य माना जा रहा है, क्योंकि दोनों देशों के संबंध लंबे समय से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। यात्रा की आधिकारिक एजेंडा संबंधी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि पटेल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन या क्रेमलिन के किसी वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात करेंगे या नहीं। पटेल की यात्रा के दौरान रूस की प्रमुख सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मेजबानी करने की संभावना बताई गई है। एफएसबी रूस की प्रमुख सुरक्षा संरचना है, जिसे सोवियत दौर की केजीबी का उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि, अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पटेल एफएसबी के अधिकारियों के अलावा किन लोगों से मुलाकात करेंगे। उनके दौरे का आधिकारिक एजेंडा भी सार्वजनिक नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों से जुड़ी जानकारी में 14-15 अक्तूबर की तारीख और मॉस्को के बाद सेंट पीटर्सबर्ग जाने की योजना की पुष्टि की गई है। ऐसे में यात्रा के सुरक्षा, खुफिया सहयोग और दोनों देशों के बीच संवेदनशील मुद्दों से जुड़े होने की संभावना पर नजर रहेगी। पटेल की संभावित यात्रा पर रूस के एक राज्य समर्थित प्रकाशन ने सवाल उठाया कि अगर एफबीआई निदेशक रूस से किसी तरह की मदद चाहते हैं तो अमेरिका की तरफ से बदले में क्या पेशकश हो सकती है। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के आर्बातोव इंस्टीट्यूट से जुड़े व्लादिमीर वासिलिएव ने कहा कि रूस के पास अमेरिकी डेमोक्रेट्स से जुड़ी कथित जानकारी हो सकती है और उसे किसी रूप में अमेरिका के साथ साझा किया जा सकता है।

जर्मनी में भारतीय छात्र गिरफ्तार, अमेरिका के एरिजोना में प्रेमिका की हत्या का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना में अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोपी भारतीय छात्र को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हत्या के बाद अमेरिका से भारत भागने की कोशिश कर रहा था। वह जर्मनी पहुंचा, लेकिन वहां से आगे की उड़ान लेने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 20 वर्षीय वरुण बाचिगरी एरिजोना विश्वविद्यालय में बिजनेस एनालिटिक्स का छात्र था। उस पर 19 वर्षीय जुलिसा रूबी सालाजार की हत्या का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त को टक्सन स्थित एक अपार्टमेंट में सालाजार की हत्या की गई थी।

टक्सन पुलिस विभाग के अनुसार, हत्या के बाद बाचिगरी टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। उसने जर्मनी की उड़ान पकड़ी थी और वहां से भारत जाने की योजना थी। इसी बीच जांचकर्ताओं ने उसके खिलाफ पहले दर्जे की हत्या और अपहरण के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। टक्सन पुलिस, एफबीआई के टक्सन कार्यालय और बर्लिन स्थित एफबीआई लीगल अटैचे कार्यालय के बीच समन्वय के बाद जर्मनी में उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, जर्मनी पहुंचते ही बाचिगरी को हिरासत में ले लिया गया और वह आगे भारत के लिए यात्रा नहीं कर सका। जांच में पुलिस को पता चला कि हत्या के बाद आरोपी ने कथित तौर पर सालाजार का मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड अपने पास रख लिए थे। इसके बाद उसने सालाजार की मां को कई मैसेज भेजे। पुलिस का आरोप है कि उसने सालाजार बनकर ये संदेश भेजे, ताकि परिवार को लगे कि वह जीवित है और हत्या की जानकारी छिपाई जा सके। इन संदेशों से सालाजार के परिवार को संदेह हुआ। परिवार की चिंता के बाद पुलिस ने उसके अपार्टमेंट में जाकर हालचाल जानने के लिए जांच की। वहां अधिकारियों को सालाजार का शव मिला। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 6 अगस्त की शाम करीब चार बजे टक्सन फायर डिपार्टमेंट को अपार्टमेंट में कार्डियक अरेस्ट की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंची टीम ने सालाजार को फर्श पर मृत पाया। उसके शरीर पर एक कंबल गर्दन तक खींचा हुआ था। फायर विभाग के कर्मचारियों ने उसके गले पर गला दबाने के निशान और खरोंचें देखीं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। गिरफ्तारी वारंट में आरोपी के खिलाफ पहले के हिंसक व्यवहार से जुड़े आरोपों का भी उल्लेख है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, बाचिगरी के खिलाफ पहले यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना पुलिस विभाग ने एक मारपीट के मामले की जांच की थी।

होर्मुज खुला तो परमाणु समझौते से पीछे हटेगा यूएस: ईरान संघर्ष से निकलने को बेताब ट्रंप, तैयार है एग्जिट प्लान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ जारी सैन्य टकराव से निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। संघर्ष को खत्म करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोल देता है तो अमेरिकी प्रशासन परमाणु मुद्दे को अलग रखकर जीत की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप पिछले कुछ हफ्तों से इस नतीजे की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अपने वरिष्ठ सहयोगियों से निजी तौर पर कहा है कि वह तेहरान के साथ औपचारिक परमाणु समझौता किए बिना भी पीछे हट सकते हैं। हालांकि, इस फैसले के लिए सम्मानजनक रास्ता निकालना मुश्किल हो गया है।

ईरान ने महत्वपूर्ण जलमार्ग से आवाजाही बहाल करने के बदले कई बड़ी मांगें रखी हैं। इनमें अरबों डॉलर

का भुगतान, अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की पूरी वापसी और अन्य बड़ी रियायतें शामिल हैं। इन मांगों से अमेरिका के कूटनीतिक विकल्प सीमित हो गए हैं। इससे यह चिंता भी बढ़ी है कि ईरान जल्द समझौते के बजाय लंबे समय तक टकराव के लिए तैयारी कर रहा है। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं के जरिए इस संकरे समुद्री मार्ग से होने वाले यातायात को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई है। इससे वैश्विक वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही धीमी हुई है और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है। हाल के हफ्तों में ट्रंप बार-बार दावा करते रहे हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला है। हालांकि, ये दावे सिर्फ दावे ही साबित हुए हैं। फरवरी में संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग को बंद कर दिया था। उसका कहना था कि अमेरिकी युद्धपोतों और सहयोगी देशों के जहाजों को यहां से गुजरने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर टोल लगाने की भी कोशिश की। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि वॉशिंगटन ने ईरान की होर्मुज में पाबंदियों और टोल लगाने की किसी भी कोशिश को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। सप्ताहांत में संयुक्त अरब अमीरात की ओर से यह घोषणा किए जाने के बाद कूटनीतिक समाधान की उम्मीद और कमजोर हुई कि ईरान ने उसके एक जहाज पर मिसाइल हमला किया है। इसी दौरान ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बघेर जुलघदर ने जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए कई शर्तें रखीं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, जुलघदर ने कहा कि अमेरिका को युद्ध स्थायी रूप से खत्म करना होगा, अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटानी होगी और अमेरिकी सैन्य बलों को क्षेत्र से वापस बुलाना होगा। इसके अलावा सभी प्रतिबंध हटाने, ईरान की जमी हुई वित्तीय संपत्तियां जारी करने और युद्ध क्षतिपूर्ति का भुगतान करने की भी मांग की गई।

ईरान की सत्ता में बड़ा फेरबदल: पूर्व आईआरजीसी प्रमुख को मिली अहम जिम्मेदारी; युद्ध के बीच क्यों बदली रणनीति

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अपने सुरक्षा तंत्र में बड़ा बदलाव किया है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने पूर्व इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी प्रमुख मोहसेन रजाई को सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। रजाई ने मोहम्मद बाकिर जुलघद्र की जगह ली है। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब ईरान अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी संघर्ष, सैन्य दबाव और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। रजाई के पास सैन्य और सुरक्षा मामलों का लंबा अनुभव है।

रजाई के पास कितना सैन्य और सुरक्षा अनुभव है : मोहसेन रजाई ईरान के आईआरजीसी के पूर्व प्रमुख रहे हैं। उन्होंने 1980 के दशक में हुए ईरान-इराक युद्ध में सैन्य कमांडर के तौर पर भी भूमिका निभाई थी। ईरान में उस युद्ध को 'पवित्र रक्षा' के नाम से जाना जाता है। रजाई फिलहाल एक्सपीडिएंसी डिसर्नमेंट काउंसिल के सदस्य भी हैं। यह संस्था संसद और गार्जियन काउंसिल के बीच मतभेदों को सुलझाने का काम करती है। उनकी नियुक्ति ऐसे व्यक्ति को सुरक्षा परिषद में लाती है, जिसके पास सैन्य और राजनीतिक दोनों क्षेत्रों का अनुभव है। मोहसेन रजाई से पहले सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि की जिम्मेदारी मोहम्मद बाकिर जुलघद्र के पास थी। अब उन्हें मोजतबा खामेनेई ने अपना राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया है। नियुक्ति आदेश में उनके अनुभव और कार्यों की सराहना की गई है। इससे साफ है कि जुलघद्र को पूरी तरह व्यवस्था से बाहर नहीं किया गया है, बल्कि उन्हें दूसरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इससे ईरान के

शीर्ष नेतृत्व में सुरक्षा और राजनीतिक मामलों की जिम्मेदारियों में बदलाव दिखाई देता है। ईरानी सरकारी प्रसारक के मुताबिक, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मुलाकात की। बैठक में देश के सैन्य और आर्थिक मामलों पर चर्चा हुई। इसमें आम लोगों की जरूरतें, अमेरिका-इस्राइल के साथ जारी युद्ध की स्थिति, सैन्य घटनाक्रम और भविष्य की रणनीति शामिल रही। इसके अलावा ईरानी मुद्रा रियाल, विदेशी मुद्रा, ऊर्जा खर्च और संसाधनों के प्रबंधन पर भी बातचीत हुई। विदेशी देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। मोजतबा खामेनेई की सेहत और सार्वजनिक मौजूदगी को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। इनपुट के अनुसार, इस्राइली मीडिया में उनके बेहद गंभीर हालत में होने की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने एक पुराना वीडियो जारी किया, जिसमें मोजतबा खामेनेई स्वस्थ दिखाई दे रहे थे। उनके सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने के कारण उनकी स्थिति को लेकर अटकलें जारी रही हैं। इसी बीच राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ उनकी बैठक की जानकारी सामने आना ईरान के मौजूदा नेतृत्व और सत्ता तंत्र के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

ट्रंप ने बदला कानूनी पहरेदार: कौन हैं विल शार्फ जिन्हें मिली व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी किसकी लेंगे जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस के मौजूदा स्टाफ सेक्रेटरी विल शार्फ 1 सितंबर से नए व्हाइट हाउस काउंसल और राष्ट्रपति के असिस्टेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह डेविड वॉरिंगटन की जगह लेंगे, जो ट्रंप प्रशासन से विदा लेकर प्राइवेट सेक्टर में जा रहे हैं। शार्फ ने ट्रंप प्रशासन में अपनी मौजूदा भूमिका के अलावा नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन के चेयरमैन के तौर पर भी काम किया है। इसी दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

ट्रंप ने शार्फ को लेकर क्या कहा : ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस नियुक्ति का एलान किया। उन्होंने कहा कि 1 सितंबर से विल शार्फ राष्ट्रपति के असिस्टेंट और व्हाइट हाउस काउंसल का पद संभालेंगे। ट्रंप ने डेविड वॉरिंगटन के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर और उससे पहले उनके राष्ट्रपति अभियान के लिए शानदार काम किया है। ट्रंप ने शार्फ की मौजूदा भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस स्टाफ सेक्रेटरी के तौर पर 'बहुत बढ़िया काम' किया है। उन्होंने शार्फ को व्यक्तिगत रूप से जानने की बात भी कही और उनके कानूनी अनुभव को रेखांकित किया। ट्रंप ने लिखा, 'विल मजबूत, ताकतवर और स्मार्ट हैं। उन्हें हमारे देश से प्यार है और वे कानून का सम्मान करते हैं। विल शार्फ व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर बहुत अच्छा काम करेंगे।'

शार्फ के पास कैसा कानूनी अनुभव है : ट्रंप के मुताबिक, विल शार्फ पहले कई मामलों में उनका प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट से जुड़े मामले भी शामिल हैं। ट्रंप ने विशेष रूप से बाइडन प्रशासन के दौरान सरकारी एजेंसियों के कथित भ्रष्टाचार और उनके 'वेपनाइज़ेशन' यानी सरकारी एजेंसियों के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामलों का उल्लेख किया। शार्फ पहले फेडरल प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम कर

चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने प्राइवेट प्रैक्टिस में अटॉर्नी के रूप में भी काम किया है। वह दो फेडरल अपील्स कोर्ट के जजों के लिए क्लर्क की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी क्या होती है : व्हाइट हाउस काउंसल राष्ट्रपति को उनके पद से जुड़े कानूनी और नीतिगत मामलों में सलाह देता है। यह कार्यालय व्हाइट हाउस और जस्टिस डिपार्टमेंट के बीच प्रमुख संपर्क बिंदु के रूप में भी काम करता है। काउंसल का कार्यालय राष्ट्रपति की ओर से दी जाने वाली माफ़ियों, न्यायिक नियुक्तियों और कानूनों की समीक्षा जैसे मामलों में भूमिका निभाता है। इसके अलावा, प्रशासन के खिलाफ कांग्रेस की ओर से होने वाली जांच और राष्ट्रपति के आधिकारिक पद पर रहते हुए उनके खिलाफ दायर मुकदमों से जुड़े मामलों के प्रबंधन में भी यह कार्यालय मदद करता है।

यह बदलाव राजनीतिक रूप से अहम क्यों है : व्हाइट हाउस काउंसल के पद पर यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। नवंबर में होने वाले इन चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस में अपना नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करेगी। वहीं, डेमोक्रेट्स पहले ही संकेत दे चुके हैं कि अगर वे चुनाव में सफल रहते हैं, तो वे ट्रंप और उनके प्रशासन की व्यापक जांच करेंगे। ऐसे में व्हाइट हाउस के शीर्ष कानूनी सलाहकार के तौर पर शार्फ़ की भूमिका आने वाले महीनों में महत्वपूर्ण हो सकती है।

नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन से शार्फ़ का क्या संबंध रहा है : ट्रंप ने जुलाई 2025 में विल शार्फ़ को नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन का चेयरमैन नियुक्त किया था। एग्जीक्यूटिव ब्रांच की एक एजेंसी है, जिसके पास वॉशिंगटन क्षेत्र में सरकारी इमारतों के निर्माण और बड़े नवीनीकरण से जुड़े मामलों में अधिकार हैं। शार्फ के नेतृत्व के दौरान ट्रंप प्रशासन के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्ट को अप्रैल से अंतिम मंजूरी मिली थी। यह प्रोजेक्ट व्हाइट हाउस परिसर के ईस्ट विंग से जुड़े हिस्से में बनाया जा रहा है और इसका निर्माण पहले ही तेजी से आगे बढ़ चुका है।

ट्रंप के बॉलरूम प्रोजेक्ट पर अदालत ने क्या फैसला दिया : बॉलरूम प्रोजेक्ट को लेकर कानूनी विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। शुक्रवार को एक बंटे हुए फेडरल अपील्स कोर्ट ने फैसला सुनाया कि इस प्रोजेक्ट का निर्माण रोका जाना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस ने इसके लिए मंजूरी नहीं दी थी। इस फैसले के बाद ट्रंप ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की बात कही है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत सिविल अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टर की आत्महत्या मामले में
आखिरकार चारों डॉक्टरों के खिलाफ FIR दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की न्यू सिविल अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टर की आत्महत्या के मामले में आखिरकार तीन दिन बाद FIR दर्ज की गई है। रैगिंग करने वाले चारों सीनियर डॉक्टरों के खिलाफ खटोदरा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

सूरत के चर्चित रेजिडेंट डॉक्टर आत्महत्या मामले में आखिरकार तीन दिन बाद शिकायत दर्ज की गई है। रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या की आत्महत्या के बाद खुलासा हुआ कि सीनियर डॉक्टरों द्वारा उन्हें कथित तौर पर प्रताड़ित तरीके से रैगिंग की जा रही थी। इस मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर डॉक्टर ने आत्मघाती कदम उठाया।

इकलौते बेटे को खोने वाले माता-पिता और परिवार के सदस्यों की ओर से भी रैगिंग करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की मांग की जा रही थी। इसके बाद तीन दिन बाद खटोदरा पुलिस स्टेशन में चारों डॉक्टरों के खिलाफ रैगिंग और प्रताड़ना की शिकायत दर्ज की गई है।

सिविल मेडिकल विभाग के अधिकारी की ओर से दर्ज शिकायत में डॉ. हर्ष पंड्या को कथित तौर पर घेरकर, डराकर और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं। डॉ. दीक्षिता घेवरिया, डॉ. निराली वसावे, डॉ. अनुज माहेश्वरी और डॉ. हिना भूत के खिलाफ खटोदरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है।

आत्महत्या की घटना सामने आने के बाद चारों डॉक्टरों को निलंबित कर दिया गया था। हालांकि, मृतक डॉक्टर के परिवार की ओर से लगातार चारों डॉक्टरों के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की जा रही थी। इसके बाद जूनियर डॉक्टरों ने भी शिकायत दर्ज कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। छात्र संगठन ABVP ने भी अस्पताल के डीन को दो दिन का अल्टीमेटम दिया था। दो दिन के भीतर शिकायत दर्ज नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई थी।

फिलहाल आत्महत्या के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे चारों डॉक्टरों के खिलाफ रैगिंग के नाम पर मानसिक प्रताड़ना करने के आरोप में पहली FIR दर्ज हुई है। आगे इस मामले में एक और शिकायत दर्ज होने की संभावना भी जताई जा रही है। खटोदरा पुलिस ने चारों रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना के दो दिन बाद भी पुलिस शिकायत दर्ज नहीं होने पर सिविल अस्पताल प्रबंधन पर सवाल उठने लगे थे। पूरे मामले को लेकर सिविल मेडिकल कॉलेज के डीन से विशेष बातचीत की थी और शिकायत दर्ज नहीं होने को लेकर सवाल उठाए थे।

इस मामले में डीन डॉ. जयेश ब्रह्मभट्ट ने बताया था कि FIR दर्ज कराने के लिए पुलिस को रिपोर्ट दी गई है। खटोदरा पुलिस स्टेशन में सिविल प्रशासन की ओर से शिकायतकर्ता बनकर रिपोर्ट जमा कराई गई है। जांच कमेटी में सामने आए मुद्दों के आधार पर FIR दर्ज करने के लिए रिपोर्ट भेजी गई थी।

सूरत के नई सिविल अस्पताल परिसर में पिछले सात वर्षों में 4 रेजिडेंट डॉक्टरों के आत्महत्या करने की बात भी सामने आई है।

FIR दर्ज कराने के लिए सिविल अस्पताल का अधिकारी शिकायतकर्ता बनेगा। इस मामले में फैकल्टी के चार प्रोफेसरों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

हालांकि, रिपोर्ट जमा होने के बाद भी खटोदरा पुलिस द्वारा FIR दर्ज करने में शाम तक देरी क्यों की गई, इसे लेकर सवाल उठ रहे थे। क्या पुलिस भी जिम्मेदार डॉक्टरों को बचाने की कोशिश कर रही थी? इसे लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे थे।

सूरत की नई सिविल अस्पताल में एक रेजिडेंट डॉक्टर ने कथित तौर पर सीनियर डॉक्टरों की प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी। पूरे मामले में सीनियर डॉक्टर डॉ. दीक्षिता घेवरिया को मुख्य आरोपी बताए जाने की बात सामने आई है।

आरोप है कि सीनियर डॉक्टर जूनियरों के साथ अमानवीय व्यवहार करते थे और उन्हें कथित तौर पर यह कहकर परेशान किया जाता था कि 'हम आपके बॉस हैं, आप हमारे नौकर हैं।' जांच में करीब 10 जूनियर डॉक्टरों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने की बात सामने आने का दावा किया गया है। आत्महत्या से दो दिन पहले ही इस संबंध में HoD को शिकायत दी गई थी। इसके बावजूद कोई कड़ा कदम नहीं उठाए जाने का भी आरोप है।

आत्महत्या करने वाले डॉ. हर्ष पंड्या 40 लाख के कठोर बॉन्ड में थे। कथित तौर पर असहनीय मानसिक प्रताड़ना के बावजूद बॉन्ड के कारण वह विभाग छोड़ नहीं सकते थे।

घटना के 24 घंटे बाद भी हॉस्टल और विभाग के CCTV सर्वर बंद हालत में पाए जाने का दावा किया गया। सिविल अस्पताल की एंटी-रैगिंग कमेटी पर भी केवल दिखावे के लिए काम करने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

हाईकोर्ट के सवाल उठाने के 22 दिन बाद सूरत नगर निगम कमिश्नर का तबादला
एम. नागराजन को 'समग्र शिक्षा अभियान' का स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनाया
कलेक्टर तेजस परमार को अतिरिक्त प्रभार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के चर्चित और विवादित नासीरनगर डिमोलिशन मामले में गुजरात हाईकोर्ट की कड़ी फटकार के बाद राज्य सरकार ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने 11 अगस्त 2026 को तत्काल प्रभाव से सूरत नगर निगम कमिश्नर एम. नागराजन का तबादला कर दिया है।

नासीरनगर में बिना किसी पूर्व नोटिस के डिमोलिशन की कार्रवाई को लेकर गुजरात हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई थी और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने को लेकर सख्त रुख अपनाया था।

20 जुलाई को हाईकोर्ट में राज्य सरकार और सूरत नगर निगम कमिश्नर को कड़े शब्दों में फटकार लगाते हुए सवाल किया गया था कि यदि अवैध डिमोलिशन मामले में छोटे कर्मचारियों को निलंबित किया गया है, तो नगर निगम कमिश्नर अपने पद पर कैसे बने रह सकते हैं?

हाईकोर्ट के इस सवाल के 22 दिन बाद सूरत नगर निगम कमिश्नर का तबादला कर दिया गया है।

राज्य सरकार के नोटिफिकेशन के मुताबिक एम. नागराजन को गांधीनगर में 'समग्र शिक्षा अभियान' के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया है।

वहीं, उनकी जगह सूरत के मौजूदा जिला कलेक्टर तेजस दिलीपभाई परमार को सूरत नगर निगम कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

इसके अलावा, 'समग्र शिक्षा अभियान' के पूर्व स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर रंजीथ कुमार जे. को गुजरात इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (GERC), गांधीनगर के सचिव पद पर नियुक्त किया गया है।

नासीरनगर अवैध डिमोलिशन मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने केवल सूरत नगर निगम कमिश्नर की कार्यप्रणाली पर ही सवाल नहीं उठाए थे, बल्कि SOG DCP राजदीपसिंह नकुम की भूमिका और कार्यप्रणाली को लेकर भी गंभीर सवाल किए थे।

अब हाईकोर्ट की फटकार के बाद राज्य सरकार द्वारा नगर निगम कमिश्नर का तबादला किए जाने के बाद सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि SOG DCP के मामले में सरकार का अगला रुख क्या रहता है।

इस मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस प्रशासन और राज्य सरकार हाईकोर्ट के समक्ष क्या जवाब और दलीलें रखती है, इस पर भी सभी की नजरें हैं। खास तौर पर 14 अगस्त को नासीरनगर डिमोलिशन मामले में हाईकोर्ट में होने वाली अगली महत्वपूर्ण सुनवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं। सुनवाई से केवल तीन दिन पहले नगर निगम कमिश्नर का तबादला किया गया है।

सूरत में 29 और 30 मई 2026 को वेड दरवाजा के पास स्थित नासीरनगर में भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच करीब 100 मकानों का डिमोलिशन किया गया था।हालांकि, इस कार्रवाई को गुजरात के इतिहास के सबसे रहस्यमय डिमोलिशन में से एक बताया जा रहा है। इस कार्रवाई के पीछे असली जिम्मेदार कौन है, इसका चेहरा अभी तक सामने नहीं आया है।

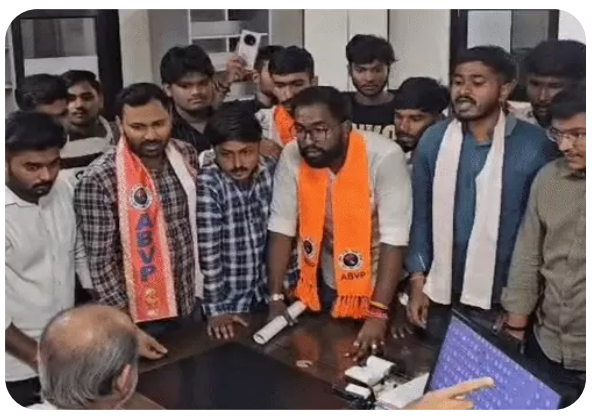

सूरत मनपा के विवादित लॉ अधिकारियों पर शिकंजा
महेकम विभाग ने असिस्टेंट लॉ अधिकारियों से 3 साल का हिसाब मांगा, कानून विभाग में मचा हड़कंप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका में कार्यरत असिस्टेंट लॉ अधिकारियों की कार्यप्रणाली और कथित संदिग्ध भूमिका को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आ रही थीं। कानून विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने के बाद महेकम विभाग ने आदेश जारी कर सभी असिस्टेंट लॉ अधिकारियों को पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

इससे पहले महानगरपालिका में प्रमोशन या पदों की मंजूरी के लिए कानून विभाग के महेकम में प्रस्ताव और प्रस्तुतियां की गई थीं। इसके बाद महेकम विभाग ने टिप्पणी दर्ज करते हुए असिस्टेंट लॉ अधिकारियों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है।

महानगरपालिका में विवादों में रहे असिस्टेंट लॉ अधिकारियों के खिलाफ गंभीर शिकायतें हैं कि अधिकांश कोर्ट मामलों में निजी वकीलों को नियुक्त किया जाता है। आरोप है कि इसके चलते इन अधिकारियों के पास पर्याप्त समय होने के बावजूद वे आवश्यक कानूनी कार्यवाही नहीं करते।

इसके अलावा, अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों में अपेक्षित गंभीरता और रुचि नहीं दिखाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

कोर्ट मामलों में संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ उचित समन्वय स्थापित करने के बजाय मनमाने तरीके से निर्णय लिए जाने के कारण पहले भी कई मामलों में महानगरपालिका के अधिकारियों को अदालत के सामने शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था।

अब जब महेकम विभाग ने पिछले तीन वर्षों के कामकाज का पूरा हिसाब मांगा है, तो पूरे कानून विभाग और विवादित भूमिका वाले अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

महेकम विभाग के इस सख्त आदेश के बाद आने वाले दिनों में असिस्टेंट लॉ अधिकारियों की वास्तविक कार्यप्रणाली और महानगरपालिका के हित में उनके द्वारा किए गए कार्यों की स्थिति सामने आने की उम्मीद है। इससे यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि इन अधिकारियों ने पिछले तीन वर्षों में वास्तव में कितनी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ अपनी कानूनी भूमिका निभाई।

डॉ. हर्ष आत्महत्या मामले में सिविल मेडिकल कॉलेज में ABVP का हंगामा
कार्यकर्ताओं ने रामधुन शुरू की, डीन चैंबर छोड़कर निकले
रैगिंग के जिम्मेदारों के मेडिकल सर्टिफिकेट रद्द करने की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत न्यू सिविल अस्पताल से संबद्ध मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या की आत्महत्या और रैगिंग की गंभीर घटना के बाद छात्रों में भारी आक्रोश है। इस मामले को लेकर ABVP की ओर से मेडिकल कॉलेज परिसर में विरोध प्रदर्शन किया गया।

ABVP ने आरोप लगाया कि पूरी घटना के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे चार रेजिडेंट डॉक्टरों और प्रोफेसरों के खिलाफ मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने केवल कागजी और दिखावे की कार्रवाई की है।

संगठन ने जिम्मेदार डॉक्टरों और प्रोफेसरों के मेडिकल सर्टिफिकेट/मेडिकल लाइसेंस रद्द करने की जोरदार मांग की है।

डीन द्वारा संबंधित HOD को मौके पर नहीं बुलाए जाने से नाराज छात्रों ने डीन कार्यालय में ही रामधुन शुरू कर दी। इसके बाद स्थिति बिगड़ती देख डीन चैंबर छोड़कर बाहर निकल गए। ABVP ने प्रशासन को दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए तीसरे दिन उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

ABVP ने मांग की है कि इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी रेजिडेंट डॉक्टरों और प्रोफेसरों के डॉक्टर सर्टिफिकेट यानी मेडिकल लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाएं।

संगठन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर उदाहरण पेश करना जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी भी निर्दोष छात्र को रैगिंग या मानसिक प्रताड़ना का शिकार न होना पड़े।

कार्यकर्ताओं ने शुरू की रामधुन, डीन चैंबर छोड़कर निकले

विरोध प्रदर्शन के दौरान ABVP के पदाधिकारी और कार्यकर्ता डीन को ज्ञापन देने पहुंचे थे। इस दौरान छात्रों ने संबंधित HOD को भी मौके पर बुलाने की मांग की।

हालांकि, डीन द्वारा HOD को मौके पर नहीं बुलाए जाने से मामला बिगड़ गया। कॉलेज प्रशासन के कथित असहयोगपूर्ण रवैये से नाराज छात्रों ने डीन कार्यालय में ही 'रामधुन' शुरू कर दी।

रामधुन शुरू होते ही स्थिति बिगड़ती देख डीन अपनी ऑफिस से निकल गए।

2 दिन का अल्टीमेटम, उग्र आंदोलन की चेतावनी

ABVP ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है। ABVP के नेताओं ने कहा कि यदि उनकी मांगें अगले दो दिनों के भीतर पूरी नहीं की गईं, तो तीसरे दिन पूरे मेडिकल कॉलेज और सिविल अस्पताल परिसर में उग्र से अति-उग्र विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

संगठन ने कहा कि इसके बाद उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की होगी।

सिंगणपोर में मकान में लगी आग में फंसे तीन लोगों का रेस्क्यू
नीचे टेंपो खड़ा कर रस्सी के सहारे महिला समेत तीन लोगों को स्थानीय लोगों ने बचाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के सिंगणपोर इलाके के नए मोहल्ले में 11 अगस्त को तीन मंजिला मकान में अचानक भीषण आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस मकान में केवल दूसरी मंजिल पर लोग रहते थे। इसके अलावा ग्राउंड फ्लोर सहित पहली और तीसरी मंजिल पर गोदाम में सामान रखा हुआ था।

मकान की पहली मंजिल पर अचानक आग लग गई और देखते ही देखते आग तेजी से फैल गई। दूसरी मंजिल पर महिला समेत तीन से अधिक लोग फंस गए, जिससे हड़कंप मच गया।

इस दौरान स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए नीचे टेंपो खड़ा किया और रस्सी की मदद से फंसे हुए तीनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनका रेस्क्यू किया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड का काफिला मौके पर पहुंच गया। पांच अलग-अलग फायर स्टेशनों से 10 से अधिक दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और लगातार पानी की बौछार कर आग पर प्राथमिक रूप से काबू पा लिया।

हालांकि, टेरेस पर बने पतरों के शेड में सामान और बैगों का बड़ा जत्था रखा होने के कारण कुछ ही देर बाद आग फिर से भड़क उठी। पहली मंजिल पर लगी आग देखते ही देखते तीसरी मंजिल पर बने पतरों के शेड तक पहुंच गई, जिससे आग ने और विकराल रूप धारण कर लिया। इसके कारण आसपास रहने वाले लोगों में भी भारी दहशत फैल गई।

टेरेस पर शेड में गोदाम होने से आग फैली

फायर विभाग ने दोबारा कड़ी मशक्कत कर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। गनीमत रही कि स्थानीय लोगों की तत्परता और फायर विभाग की समय पर कार्रवाई के चलते इस घटना में फिलहाल फायर विभाग की ओर से यह सुनिश्चित करने के लिए कूलिंग की कार्रवाई जारी है कि कहीं कोई सुलगता हुआ सामान बाकी न रह जाए।

प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि गोदाम में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी हो सकती है। हालांकि, आग लगने का वास्तविक कारण जानने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

अहमदाबाद में युवती से दुष्कर्म मामले में नया खुलासा
सिक्योरिटी कंपनी का लाइसेंस 4 महीने पहले एक्सपायर हो गया था
रिन्यू की प्रक्रिया भी नहीं की मालिक के खिलाफ केस दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के जोधपुर गांव स्थित एक फ्लैट में युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी सिक्योरिटी गार्ड जिस कंपनी में काम करता था, उस कंपनी का लाइसेंस करीब 4 महीने पहले ही एक्सपायर हो चुका था। कंपनी की ओर से लाइसेंस रिन्यू कराने की कोई प्रक्रिया भी नहीं की गई थी। इसके बाद पुलिस ने कंपनी के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आरोपी धर्मसिंह चार दिन पहले ही सिक्योरिटी कंपनी में नौकरी पर लगा था। आरोप है कि उसे किसी तरह की ट्रेनिंग भी नहीं दी गई थी।

पुलिस ने इस मामले में ए वन सिक्योरिटी कंपनी के मालिक रामप्रकाश तिवारी को पूछताछ के लिए बुलाया था। पुलिस ने कंपनी के लाइसेंस से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की।

कंपनी के मालिक रामप्रकाश तिवारी वर्ष 2015 से सिक्योरिटी कंपनी चला रहे हैं। कंपनी का लाइसेंस वर्ष 2021 में रिन्यू कराया गया था, जिसकी वैधता 5 अप्रैल 2026 तक थी।

5 अप्रैल 2026 को कंपनी का सिक्योरिटी लाइसेंस एक्सपायर हो गया था। इसके बाद लाइसेंस रिन्यू कराने की प्रक्रिया भी नहीं की गई।

पुलिस ने कंपनी मालिक की कथित लापरवाही को लेकर आनंदनगर पुलिस स्टेशन में रामप्रकाश तिवारी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिक्योरिटी एजेंसी और गार्ड के लिए इन नियमों का पालन जरूरी

1. सिक्योरिटी कंपनी के पास PSARA (Private Security Agencies Regulation Act) लाइसेंस होना जरूरी है।
2. सिक्योरिटी कंपनी का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है।
3. किसी भी सिक्योरिटी गार्ड को नियुक्त करने से पहले उसे 160 घंटे की ट्रेनिंग देना जरूरी है।
4. प्रत्येक सिक्योरिटी गार्ड का पुलिस वेरिफिकेशन और कैरेक्टर सर्टिफिकेट प्राप्त करना जरूरी है।
5. यदि गार्ड के पास हथियार है, तो उसके लिए वैध आर्म्स लाइसेंस होना जरूरी है।